गुरुवार, 17 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान 34 – 25
आर्द्रता 82%
सूर्योदय: 5:15 सूर्यास्त: 17:57

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

बच्चों के लिए जहर बन रहे हैं शहर
–पृष्ठ 6

सुविचार : जिनकी कामयाबी नहीं रोकी जा सकती, उनकी बदनामी शुरू की जाती है।

वक्फ कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कानून हमारे सामने, हम ही सुनाएंगे फैसला : सीजेआई

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस, आज फिर होगी वक्फ कानून पर सुनवाई

नयी दिल्ली : वक्फ संशोधित कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले में दायर 70 याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में असदुद्दीन ओवैसी, कपिल सिब्बल, अभिषेक मनुसिंघवी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सहित अन्य याचिकाकर्ता के वकीलों ने बहस की। वक्फ कानून पर लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट अंतरिम आदेश देने जा रहा था। सीजेआई ने पहले कहा, हम अंतरिम आदेश जारी करने जा रहे हैं। हमारा अंतरिम आदेश इक्विटी को संतुलित करेगा। हम कहेंगे कि जो भी संपत्तियां कोर्ट ने वक्फ घोषित की हैं, उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा या उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा।। चाहे वह उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हो या नहीं। कलेक्टर कार्यवाही जारी रख सकते हैं।। लेकिन प्रावधान प्रभावी नहीं होगा। बोर्ड और परिषद के संबंध में।। पदेन सदस्य नियुक्त किए जा सकते हैं लेकिन अन्य सदस्य मुस्लिम होने चाहिए। हालांकि बाद में कोर्ट ने इस पर कोई आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को भी होगी।

इन याचिकाओं में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की कई धाराओं को संविधान विरोधी बताते हुए उन्हें रद्द करने की मांग की गई है। वहीं वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के समर्थन में कई राज्यों ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

छत्तीसगढ़, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान ने अर्जी दाखिल कर मामले में पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है। इन राज्यों ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की इस दलील का विरोध किया कि

वक्फ संशोधन अधिनियम संविधान का उल्लंघन करता है। उधर केंद्र सरकार को भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट संसद से पारित इस कानून को गिराएगा नहीं।सुप्रीम कोर्ट ने कहा मामला कोर्ट में है, और फैसला यहीं होगा।

वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों में हिंसा व्यथित करने वाली है: उच्चतम न्यायालय

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस खन्ना ने कहा, 'एक बात जो बहुत व्यथित करने वाली है, वह है यहां हो रही हिंसा। अगर मामला यहां लंबित है तो ऐसा नहीं होना चाहिए।' केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए कहा, 'वे सोचते हैं कि इससे व्यवस्था पर दबाव बनाया जा सकता है।' हालांकि, एक मुस्लिम संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा, 'कौन किस पर दबाव बना रहा है, हमें नहीं पता।' इस पर चीफ जस्टिस ने विधेयक के कुछ 'सकारात्मक बिंदुओं' को रेखांकित करने की बात कही।

क्या मुस्लिम लोग हिंदू ट्रस्ट का हिस्सा होंगे : उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से पूछा

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से एक अहम सवाल पूछा है। अदालत ने पूछा कि क्या अब मुसलमानों को हिन्दू धार्मिक ट्रस्टों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी? यह सवाल वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान उठाया गया। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की बेंच ने इस अधिनियम पर कई सवाल उठाए। विशेष रूप से, बेंच ने 'वक्फ बाय यूजर' की प्रथा पर सवाल किया। 'वक्फ बाय यूजर' का मतलब है कि अगर कोई संपत्ति लंबे समय से धार्मिक या धर्मार्थ कार्यों के लिए इस्तेमाल हो रही है, तो उसे वक्फ माना जाएगा, भले ही उसके कोई औपचारिक कागजात न हों।

वक्फ बाय यूजर पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

बेंच ने कहा, 'आप ऐसे वक्फ बाय यूजर को कैसे रजिस्टर करेंगे? उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? इससे कुछ चीजें बिगड़ सकती हैं। हां, कुछ दुरुपयोग भी हैं। लेकिन कुछ असली मामले भी हैं। मैंने प्रिवी काउंसिल के फैसले भी देखे हैं। वक्फ बाय यूजर को मान्यता मिली हुई है। अगर आप इसे खत्म करते हैं तो समस्या होगी।'

मुर्शिदाबाद दंगे पूर्व नियोजित थे, भाजपा-बीएसएफ और केंद्रीय एजेंसियों ने भड़काई हिंसा : ममता

- मुख्यमंत्री ने पीएम से गृह मंत्री शाह को नियंत्रण में रखने का किया अनुरोध
- मुर्शिदाबाद हिंसा में मृतकों के परिवार को मिलेगा 10-10 लाख का मुआवजा
- ममता ने दिल्ली में वक्फ आंदोलन करने की दी सलाह
- ममता ने इंडिया गठबंधन से वक्फ के विरोध में सड़कों पर उतरने का किया आह्वान

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को बुधवार को पूर्व नियोजित करार दिया और साथ ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वर्ग, गृह मंत्रालय के तहत आने वाली केंद्रीय एजेंसियों तथा भाजपा पर कथित तौर पर बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ कराकर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने मुस्लिम धार्मिक नेताओं के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दमनकारी वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लागू नहीं करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि यह कानून देश को विभाजित करेगा। ममता ने प्रधानमंत्री मोदी से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को नियंत्रण में रखने का अनुरोध किया और उन पर अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए देश को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने दावा किया कि पड़ोसी बांग्लादेश में अस्थिर स्थिति के बावजूद केंद्र ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को जल्दबाजी में पारित कर दिया और अवैध सीमा पार से घुसपैठ की अनुमति दी, जिसके कारण बंगाल में अशांति फैली। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीएसएफ के एक वर्ग और गृह मंत्रालय के अधीन कुछ केंद्रीय एजेंसियों ने हिंसा को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल की भूमिका की जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे ऐसी खबरें मिली हैं जिनमें मुर्शिदाबाद में अशांति के पीछे सीमा पार से आए तत्वों की भूमिका का दावा किया गया है। क्या सीमा की सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका नहीं है? बीएसएफ गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधीन है। राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार इसकी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। मुख्यमंत्री ने हिंसा के दौरान मारे गए तीन लोगों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की और राज्य के मुख्य सचिव को बीएसएफ की भूमिका की जांच शुरू करने का निर्देश दिया। मुर्शिदाबाद के धुलियान और शमशेरगंज इलाकों में 11 और 12 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई झड़पों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित बाहरी लोग हिंसा भड़काने के लिए राज्य में घुस आए हैं। अगर हिंसा के पीछे तृणमूल कांग्रेस का हाथ है, तो हमारे तीन विधायकों के घरों पर हमला क्यों किया गया? हमारे पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ क्यों की गई?

मुर्शिदाबाद हिंसा की बलि चढ़ें मृतकों के परिजनों ने किया सरकारी मुआवजा लेने से इंकार

मुर्शिदाबाद : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, मुर्शिदाबाद स्थित जाफराबाद के मृतक हरगोबिंद दास और चंदन दास के परिवारों ने 10 लाख रुपये का मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है। इस दिन, मुख्यमंत्री के घोषणा के बाद हरगोविंद दास और चंदन दास के परिवारों ने घोषणा की कि उन्हें मुआवजा नहीं चाहिए। अगर उस दिन पुलिस समय पर पहुंच जाती तो उनके परिवार के दो सदस्यों की जान नहीं जाती। आज मृतक हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास का श्राद्ध था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें श्राद्ध कर्म करने के लिए कोई पुजारी या नाई नहीं मिल सका। परिवार के सदस्यों ने शिकायत की कि उनमें से कोई भी डर के कारण बाहर नहीं आया। अंततः श्राद्ध समारोह बिना किसी नाई या पुजारी के ही पूरा हो गया। कीर्तन मंडली के सदस्य आगे आये। परिवार के सदस्यों ने कीर्तन की मदद से श्राद्ध पूरा किया।

सोनिया, राहुल के खिलाफ आरोपपत्र पर कांग्रेस ने किया देशव्यापी प्रदर्शन, प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

आर्थिक संकट से ध्यान भटकाने के लिए सोनिया, राहुल के खिलाफ दाखिल किया गया आरोप पत्र: कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के विरोध में बुधवार को देशव्यापी स्तर पर प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्य विपक्षी दल ने यह आरोप भी लगाया कि कि उसके शीर्ष नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की इस कार्रवाई के 'सूत्रधार' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं। पार्टी के कई नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बुधवार को सुबह ही पार्टी के पुराने मुख्यालय 24 अकबर रोड पहुंच गए और अपने नेताओं के पक्ष में तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने ''सोनिया गांधी जिंदाबाद'', ''राहुल गांधी जिंदाबाद'', ''तानाशाही नहीं

चलेगी'' और ''मोदी-शाह जवाब दो'' के नारे लगाए। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और अवरोधक लगाए गए थे। पुलिस ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी कांग्रेस के झंडे और तख्तियां लेकर पहुंचे थे। इन तख्तियों पर ''डरो मत'', ''पूरा देश आपके साथ है'' ''ईडी के दम पर ये सरकार नहीं चलेगी'' जैसे नारे लिखे हुए थे।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले मुख्य न्यायाधीश

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस भूषण आर गवई के नाम का प्रस्ताव देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के तौर पर कानून मंत्रालय को भेजा गया है। यह नाम मौजूदा मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भेजा है, जिनका कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। दरअसल, परंपरा के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस ही अपने उत्तराधिकारी का नाम सरकार को भेजते हैं। इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई गई है। कानून मंत्रालय ने औपचारिक तौर पर जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम पूछा था, जिसके जवाब में उन्होंने जस्टिस गवई का नाम आगे बढ़ाया। अगर राष्ट्रपति भवन से मंजूरी मिलती है तो जस्टिस भूषण आर गवई देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। जस्टिस बी.आर. गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि उनका कार्यकाल केवल छह महीने का होगा क्योंकि वे नवंबर 2025 में रिटायर होने वाले हैं।

सरकार ने 35 एफडीसी दवाओं के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

नयी दिल्ली : शीर्ष औषधि नियामक संस्था सीडीएससीओ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को निर्देश दिया है कि वे अस्वीकृत की गईं 35 'फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन' (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकें जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। एफडीसी दवाएं वे हैं जिनमें एक निश्चित अनुपात में दो या अधिक फार्मास्युटिकल घटकों (एपीआई) का संयोजन होता है।

अब अमेरिका ने चीन पर 245 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने कहा है कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर मंगलवार को अलग से दी जानकारी में कहा कि चीन ने बड़े बोइंग सौदे के तहत विमानों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। ये उन खबरों की पुष्टि करता है जिसमें दावा किया गया था कि चीन ने अपनी विमान कंपनियों से अमेरिकी विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की आपूर्ति न लेने का कहा है। ट्रंप ने इस खबर की जानकारी देते हुए चीन जैसे अपने विरोधियों के साथ व्यापार युद्ध में अमेरिका और उसके किसानों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

Haldiram's
Prabhuji®
खुशियों की असली मिठास
भुजिया
खट्टा मीठा
चटपटा
सोन पापड़ी
रसगुल्ला
गुलाब जामुन
काजू बर्फ़ी
Haldiram Bhujiawala Limited
Regd. Office : P-420, Kazi Nazrul Islam Avenue, VIP Road, Kolkata - 700 052
Burrabazar : 9, Jagmohan Mullick Lane, Kolkata - 700 007

Dr Santosh Kumar

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों भी नहीं रहता।

-जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

-फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त

Dr Santosh Kumar activating the Robotic Arm during Robotic Knee Replacement

द्वारा प्राप्त किया जाता है।

-स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइनमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव

प्रत्यर्पण को कूटनीतिक प्रयास तेज करें

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफ बचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर-सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह-आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन-केन-प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है।

निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है। इसके अलावा इस मामले में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की प्रभावशीलता की भी कसौटी शामिल है। जिसे राजग सरकार ने वर्ष 2018 में मेहुल चोकसी व नीरव मोदी के देश से भागने के बाद लागू किया था। यह विडंबना ही कही जाएगी कि चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी संपत्ति जब्त करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पिछले सात सालों से मुंबई की एक अदालत में लंबित है। बहरहाल, देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले में चोकसी के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सख्त कानूनी प्रावधानों के चलते पिछले कुछ सालों में बैंकिंग धोखाधड़ी में शामिल राशि में उल्लेखनीय कमी आई है। निस्संदेह, यह एक स्वागत योग्य पहल है, लेकिन बड़ी मछलियों पर शिकंजा कसने तथा बैंक के खाताधारकों का भरोसा हासिल करने के लिये अधिक प्रयासों की जरूरत है। ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया को फास्ट ट्रैक अदालतों के जरिये तेज करने तथा भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कूटनीतिक प्रयासों के जरिये भारत लाने के प्रयासों को भी गति देने की जरूरत है। बैंकिंग व्यवस्था में खाताधारकों का भरोसा कायम रखने के लिये यह अपरिहार्य शर्त है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 17 मार्च, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन कृष्णपक्ष चतुर्थी, 15:21 तक , नक्षत्र : अनुराधा, 05:48 तक, योग : वरीघा, 24:42 तक , सूर्योदय: 5:15, सूर्यास्त: 17:57, चन्द्रोदय : 21:53, चन्द्रास्त: 07:43, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 13:10 से 14:45

राशिफल

मेष : आज कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। आज दिनचर्या थोड़ी उथल-पुथल भरी रहेगी। सन्तान के व्यवहार से कुछ निराश हो सकते हैं। अपनी राय को दूसरों के ऊपर थोपने से बचें।

वृष : अपने युवा करियर के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। आज व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आयेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की रूपरेखा बन सकती है।

मिथुन : तत्काल किसी पर भरोसा न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कठिन कार्यों की जिम्मेदारी मिल सकती है। नकारात्मकता आपके ऊपर हावी रहेगी।

कर्क : आज क्रय-विक्रय से लाभ होगा। युवा वर्ग अपने भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। विचारों के आपसी आदान-प्रदान से मन प्रसन्न रहेगा।समय का अच्छा सदुपयोग करेंगे।

सिंह : आप आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों से घिरे रहेंगे। दूसरों के भरोसे न रहें। आपको आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। प्रत्येक कार्य को समय से निपटाने का प्रयास करें।

कन्या : आज कारोबारी बड़ी डील कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों से काफी सन्तुष्ट रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधा का पर्याप्त आनन्द लेंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे।

तुला : आज वेतनवृद्धि को अफसरों के साथ चर्चा कर सकते हैं। आत्मविश्वास और मनोबल आपकी सबसे बड़ी शक्ति है इसे कभी कम न होने दें। नयी जॉब ढूँढ रहे हैं तो सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : आज कारोबार में आय बढ़ने के योग हैं। आमदनी के साथ आपके खर्च भी बढ़ेंगे। पेट में गैस और एसीडिटी जैसी समस्या बढ़ सकती है। अपनी क्षमताओं का कुशल उपयोग करेंगे।

धनु : आज किसी करीबी के कटु व्यवहार से मन व्यथित हो सकता है। स्वयं को ऊर्जावान और सकारात्मक बनाये रखने के लिये व्यायाम और ध्यान अवश्य करें।

मकर : दिनचर्या को सन्तुलित रखें। कृषि सम्बन्धी उद्योगों से लाभ प्राप्त होगा। आप जिन कार्यों को कठिन मान रहे थे, उन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

कुम्भ : आज का दिन बेहतर रहेगा। किसी अनजान पर भरोसा करने से बचना होगा नौकरी में कार्यरत लोगों को मान सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

मीन : आज अपने कार्यों को लेकर संशय में न रहें। इस समय भावुक होने के बजाय व्यवहारिक निर्णय लेना उत्तम होगा। जोखिम भरे निवेशों से स्वयं को दूर रखें।

आदित्यनाथ ने कहा कि सभी जिलों में होने चाहिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पुनर्गठन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि प्रत्येक जनपद में बोर्ड का एक-एक कार्यालय स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा है कि 1995 में गठन के बाद से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गतिविधियों, क्षेत्र, कार्य प्रकृति में व्यापक परिवर्तन आ चुका है और बदलते समय की आवश्यकताओं के दृष्टिगत बोर्ड में भी बदलाव किया जाना चाहिए। एक बयान के मुताबिक, बुधवार को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 75 ज़िलों में 28 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। उन्होंने कहा ''इन्हें 18 मंडलों पर पुनर्गठित किया जाए, प्रत्येक जनपद में एक-एक कार्यालय स्थापित किया जाए और जिन मंडलों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक हैं, वहां एक से अधिक क्षेत्रीय कार्यालय बनाये जा सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि नए दौर की पर्यावरणीय चुनौतियों के समुचित समाधान के लिए बोर्ड में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हैजार्ड्स वेस्ट, ई-वेस्ट, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निवारण हेतु, अनुसंधान एवं विकास संबंधी अध्ययन हेतु, पर्यावरणीय जन-जागरूकता तथा प्रकाशन हेतु, आईटी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग हेतु विशेष यूनिट का गठन भी किया जाना चाहिए जिससे बोर्ड की प्रभावशीलता पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

नगर परिवहन सेवा में निजी ई-बस संचालकों को शामिल करने पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का जोर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों को निजी ई-बस संचालकों को नगर परिवहन सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस पहल का लक्ष्य बड़े शहरों से सटे कस्बों को संपर्क उपलब्ध कराना है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, नगर विकास विभाग के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नगरीय ई-बस सेवाओं का विस्तार कर इसे आसपास के कस्बों तक पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके। बयान के मुताबिक, वर्तमान में 15 नगरों में 700 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि 15 वर्ष से अधिक समय तक किसी भी डीजल/सीएनजी बसों का उपयोग ना हो। इनके स्थान पर ई-बसें लाई जानी चाहिए।

हर अच्छे काम का विरोध करते हैं कांग्रेस और विपक्षी दल: राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों पर देश में प्रगतिशील सुधारों का विरोध करने का आरोप लगाया। शर्मा यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की प्रदेश कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,कांग्रेस और विपक्षी दलों की आदत हो गई है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करते है और समाज में अफवाह फैलाते है। शर्मा ने कहा, उन्होंने (विपक्षी दलों ने) समाज में सीएए (संशोधित नागरिकता कानून) को लेकर भी मुसलमानों की नागरिकता समाप्त हो जाएगी जैसी बेबुनियाद अफवाह फैलाई थी। आज वे लोग कहां है? ऐसी ही अफवाह वक्फ कानून के खिलाफ फैलाने की कोशिश कर रहे हैं जो कि देश और समाज के लिए घातक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया कानून गरीब मुसलमानों, महिलाओं और अन्य वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने वाला है। शर्मा ने कहा कि पहले किसी भी संपत्ति पर वक्फ का दावा कर दिया जाता था और गरीब अपने अधिकार के लिए लड़ भी नहीं सकता था लेकिन अब उसे 90 दिन के लिए नोटिस दिया जाएगा और वह अपने अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम होगा।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी, जैसलमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज

जयपुर : राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी और बुधवार को जैसलमेर में 46 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि दिन के समय जैसलमेर सबसे गर्म स्थान रहा। मौसम विभाग के अनुसार, जैसलमेर के बाद फलौदी में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि बाड़मेर, गंगानगर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, चूरू और जालौर में क्रमशः 44.5 डिग्री, 44.3 डिग्री, 43.2 डिग्री, 43.0 डिग्री, 42.6 डिग्री और 42.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार, राज्य में अन्य स्थानों पर दिन का तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

राजस्थान: सीकर में र्यावरण प्रेमियों ने प्रस्तावित पेट्रोल पंप के लिए पेड़ काटे जाने का विरोध

जयपुर : राजस्थान के सीकर जिले में पर्यावरण प्रेमियों के एक समूह ने जिला कारागार के बाहर प्रस्तावित पेट्रोल पंप के लिए पेड़ काटे जाने की कवायद का विरोध जताया और आरोप लगाया इसके लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाएंगे। जिले के शिवसिंहपुरा स्थित जेल के बाहर पेट्रोल पंप लगाया जाना प्रस्तावित है और इस पंप पर खुली जेल के कैदी काम करेंगे, जिससे उनको रोजगार मिलने की उम्मीद है। पेट्रोल पंप लगाने का शुरुआती काम शुरू हो गया था लेकिन इस बीच पर्यावरण के लिए काम कर रहे संगठन 'मनसुख रणवां स्मृति संस्थान' व अन्य पर्यावरण ने इसका विरोध किया। संगठन का कहना है कि प्रस्तावित पेट्रोल पंप के लिए बड़ी संख्या में उन फलदार पेड़ों को काटा जाएगा, जो उनकी कड़ी मेहनत के बाद फले फूले हैं। संगठन से जुड़ी डॉ. अभिलाषा रणवा ने बताया कि प्रस्तावित जगह पर पेट्रोल पंप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि इसके लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटने होंगे।

मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा अंसारी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मऊ : उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की एक अदालत ने वर्ष 2020 के एक मामले के सिलसिले में मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा अंसारी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अदालत के अधिकारियों के अनुसार, अफसा अंसारी के दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में बार-बार समन के बावजूद अदालत में पेश नहीं होने के लिए वारंट जारी किया गया। उन्होंने बताया, इस मामले में अफसा के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 299 के तहत कार्यवाही शुरू कर दी गई है और उनका नाम अब 'मकरूल रजिस्टर' में जोड़ा जा रहा है। मकरूल रजिस्टर उन फरार आरोपियों की सूची है जो अदालती कार्यवाही से बचते हैं। अदालत ने धारा 82 और 83 सीआरपीसी (भारतीय दंड सहिता) के तहत कार्रवाई करते हुए अफसा को भगोड़ा अपराधी घोषित किया था और उनकी संपत्ति कुर्क करने का निर्देश दिया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) अंजनी कुमार पांडे ने बताया, अफसा अंसारी को पहले ही वांछित घोषित किया जा चुका था और उस पर इनाम रखा गया था, जिसे अब बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अदालत के आदेश के बाद अफसा का नाम 'मकरूल रजिस्टर' में दर्ज किया जा रहा है और कानूनी कार्रवाई जारी है।

सोनिया गांधी, राहुल के खिलाफ आरोपपत्र को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का पटना में प्रदर्शन

पटना : कांग्रेस की बिहार इकाई के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दायर आरोपपत्र का विरोध करते हुए राज्य की राजधानी पटना में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ईडी के कदम के खिलाफ पार्टी की ओर से देशभर में जताए जा रहे विरोध का हिस्सा था। ईडी के पटना स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के पास बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेड लगाए गए थे। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार और पार्टी के राज्य प्रभारी कृष्णा अल्लावारू के नेतृत्व में विरोध मार्च आयकर गोलंबर से शुरू हुआ और गांधी मैदान के पास ईडी कार्यालय के बाहर संपन्न हुआ जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। कांग्रेस सदस्यों द्वारा राज्य की राजधानी में लगाए गए पोस्टर और बैनर में भाजपा नेताओं और केंद्रीय जांच एजेंसी की आलोचना करने वाले नारे लिखे गए थे।

उत्तर प्रदेश: पुलिस ने 100 से अधिक होटल और हुक्का बार में छापेमारी कर संदिग्धों से पूछताछ की

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पिछले दिनों हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना के मद्देनजर पुलिस ने बुधवार को 100 से अधिक होटल और हुक्का बार में छापेमारी कर संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त गौरव बंसवाल ने बताया कि पिछले दिनों हुई घटना में यह पता चला कि कई होटल में अवैध कारोबार किये जा रहे हैं, जिसके मद्देनजर पुलिस ने बुधवार को 100 से अधिक होटल और हुक्का बार में छापेमारी की। बंसवाल ने बताया कि छापेमारी के दौरान जिन भी होटलों में नाबालिग बच्चे और गैर शादीशुदा व्यक्ति बिना पहचान पत्र के पाए गए उनसे पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि जिन हुक्का बार में नशा कराया जा रहा था उन पर भी कार्रवाई की जाएगी और आगे इस तरह की कोई घटना ना घटे इसके लिए होटल और स्पा सेंटर पर छापेमारी कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त विदुष सक्सेना ने बताया कि लालपुर-पांडेयपुर इलाके में एक युवती से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अब तक 11 नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

झारखंड के हर गरीब की आवाज बनूंगा: झामुमो प्रमुख चुने जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का अध्यक्ष चुने जाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के हर गरीब, वंचित और युवा की आवाज बनने की शपथ ली। झामुमो अध्यक्ष का पद पहले उनके पिता शिबू सोरेन के पास था। राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन पिछले 38 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख थे, जबकि उनके बेटे हेमंत 2015 से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आदरणीय बाबा, हमारे संरक्षक आदरणीय शिबू सोरेन जी ने जिन विचारधाराओं की छांव तले झामुमो की नींव रखी थी, आज उसे आगे बढ़ाने का अवसर मिलना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं विनम्रतापूर्वक इस जिम्मेदारी को स्वीकार करता हूं और प्रण लेता हूं कि झारखंड के हर गांव, हर गरीब, हर वंचित और हर युवा की आवाज बनूंगा।'' हेमंत सोरेन मंगलवार को झामुमो के 13वें केंद्रीय अधिवेशन के दौरान अध्यक्ष पद के लिए चुने गए, जिसमें उनके पिता को पार्टी का संस्थापक संरक्षक बनाया गया। उन्होंने कहा, ''आज जब मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाल रहा हूं, तो मेरे मन में कई भावनाएं उमड़ रही हैं। यह कोई साधारण पद नहीं, बल्कि झारखंड की जनता के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व है।'' उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का इतिहास संघर्षों से भरा है, लेकिन हमारा संकल्प अडिग है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज फिर से हमें एकजुट होकर झारखंड की अस्मिता, विकास और न्याय के लिए संघर्ष करना है। मैं सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं और झारखंडवासियों से वादा करता हूं कि आपका विश्वास कभी टूटने नहीं दूंगा।'' मंगलवार को संपन्न हुए दो दिवसीय केंद्रीय सम्मेलन के दौरान हेमंत सोरेन ने झामुमो के लिए एक मजबूत सामाजिक न्याय एजेंडा पेश किया, जिससे पार्टी के राज्य से बाहर अपने प्रभाव का विस्तार करने के इरादे का संकेत मिलता है। उन्होंने घोषणा की कि ''सामंती ताकतों'' को अब राज्य का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शिबू सोरेन की अध्यक्षता में पार्टी के 13वें केंद्रीय सम्मेलन में उनके बेटे हेमंत सोरेन ने संकेत दिया कि पार्टी राज्य में 2024 के विधानसभा चुनाव में अपने मजबूत प्रदर्शन से उत्साहित होकर अपनी राष्ट्रीय भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

उत्तर प्रदेश: भीख मांगकर कैंसर पीड़ित महिला की मदद का उठाया बीड़ा

शाहजहांपुर : उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में समाजसेवी सलमान ने कैंसर से पीड़ित महिला के इलाज के लिए भीख मांगकर मदद करने का बीड़ा उठाया। शाहजहांपुर के रोशनगंज मोहल्ले में रहने वाले संजीव कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनकी पत्नी को गले का कैंसर है और पिछले आठ महीने से लगातार वह इलाज करा रहे हैं लेकिन इलाज में बेटी की शादी के लिए इकट्ठा की गई करीब छह लाख रुपये की जमापूंजी खत्म हो गई। उन्होंने बताया कि अब उनके पास कुछ भी नहीं बचा और प्रतिदिन 700 रुपये इलाज में खर्च हो रहे हैं तथा उनके पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। कुमार ने बताया कि वह जिलाधिकारी सहित कई अधिकारियों से मिले लेकिन किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने किसी प्रकार का फंड नहीं होने का हवाला देते हुए मदद से इनकार कर दिया।

वर्ग पहेली नं. 3065

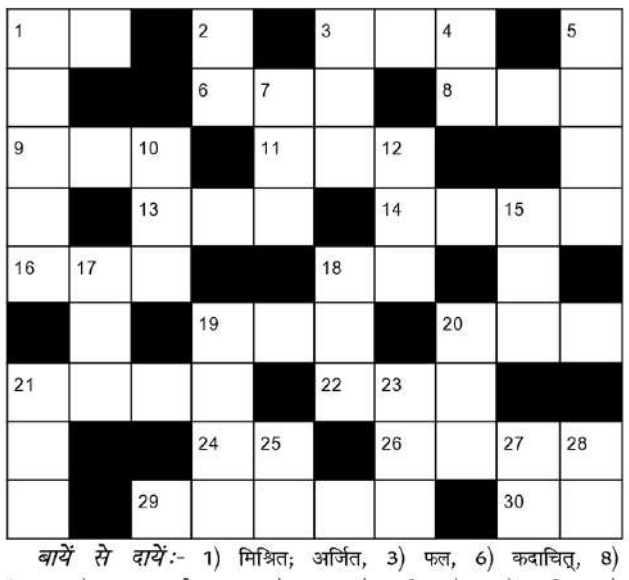

ऊपर से नीचे :- 1) साँठगाँठ, 2) इच्छा, 3) दरमियान, 4) निषिद्ध, 5) नेस्तनाबूद, 7) जसोमति, 10) मापना, 12) प्रेमी, 15) प्रसिद्ध,17) मृदुल, 18) प्रतियोगिता, 19) फनस, 20) छेना, 21) राख होना, 23) तलहटी, 25) राय; नहीं, 27) अधिकार, 28) रोग. *(उत्तरः अगले अंक में)*

बायें से दायें :- 1) मिश्रित; अर्जित, 3) फल, 6) कदाचित्, 8) कंगाल, 9) हटाना; दौड़ाना, 11) रसा *(तरकारी का)*, 13) पक्षी, 14) लज्जाजनक; शर्मनाक, 16) रुष्ट होना; फैलना, 18) एक वेद, 19) कीचड़, 20) छरहरा *(शरीर)*, 21) भीड़भाड़, 22) मूर्खता, 24) वे और मैं, 26) अंगलेप; *लोशन*, 29) नुकताचीन; छिद्रान्वेषक, 30) ऋण.

पिछली पहेली का उत्तर

फ	ल	प्र	द	■	का	फ़िला	■	ज
टा	■	सा	र	मे	य	■	भ	व
■	चं	द	■	था	र	क	■	सा
दं	गा	■	हा	वी	■	ति	थि	■
प	■	औ	र	■	ठ	प	■	पा
ति	ल	■	जी	र्ण	■	य	था	र्थ
■	स	हि	त	■	पू	■	ने	■
वे	■	सा	■	ब	रा	म	दा	■
श	रा	ब	खो	री	■	■	र	ह

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3025

						1	6	
2				4				
						7		8
			5	3			2	
		7					5	
	1							
3					6	4		
			1		7			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3024 का उत्तर

2	5	1	3	8	4	7	9	6
8	6	9	5	2	7	4	1	3
7	3	4	9	1	6	5	8	2
6	8	5	7	3	9	2	4	1
4	2	3	8	5	1	6	7	9
1	9	7	6	4	2	3	5	8
9	7	2	1	6	5	8	3	4
3	1	6	4	7	8	9	2	5
5	4	8	2	9	3	1	6	7

मुजफ्फरपुर में गैस सिलेंडर में धमाके से लगी आग में चार बच्चों की मौत

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बुधवार को रसोई गैस के कई सिलेंडर में हुए धमाके से लगी आग की चपेट में आने से चार बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव में सुबह हुई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान विपुल कुमार (5), ब्यूटी कुमारी (8), हंसिका कुमारी (3) और सृष्टि कुमारी (4) के रूप में हुई है। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने बताया,''प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आग सिलेंडर में हुए धमाके से लगी। घटना में चार बच्चों की जलकर मौत हो गई।'' उन्होंने कहा, ''सूचना मिलने के तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।'' जिलाधिकारी ने बताया कि मृतकों के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा,''जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा राशन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन उन्हें वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा।'' जिलाधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

‘नया कार्यस्थल, धार्मिक स्थल’, दीघा में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन की तैयारी बैठक में बोलीं ममता

❑ **अक्षय तृतीया के दिन पर दीघा में जगन्नाथ मंदिर का मुख्यमंत्री करेंगी उद्घाटन**

❑ **दीघा में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन को लेकर मुख्यमंत्री ने दिये कई दिशानिर्देश**

कोलकाता, समाज्ञा : जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन से दीघा में और सुधार आएगा। रोजगार बढेगा, आय भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अक्षय तृतीया के दिन पुरी की तरह दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन करेंगी। दरअसल, इस दिन, नवान्न में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन की तैयारी बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने उस बैठक में यह बात कही। ममता ने कहा कि पुरी की तरह ही समुद्र के किनारे जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन से मंदिर के आसपास आजीविका बढ़ेगी। दीघा अब एक नया कार्यस्थल, एक धार्मिक स्थल है। विश्व मानचित्र पर एक नया जुड़ाव है। मंदिर का उद्घाटन अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर किया गया। हालांकि, कार्यक्रम 29 अप्रैल से शुरू होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। ममता ने दीघा के आमंत्रित लोगों से 28 अप्रैल को आने का अनुरोध किया। अगले दिन यज्ञ है। 30 अप्रैल: प्राणप्रतिष्ठा और मंदिर का उद्घाटन होगा। फिर, मंदिर की जिम्मेदारी इस्कॉन को सौंप दी जाएगी। उम्मीद है कि जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के दौरान हजारों तीर्थयात्री दीघा में एकत्र होंगे। इसलिए ममता पर्याप्त व्यवस्था को लेकर काफी सतर्क हैं। बैठक में महाकुंभ में हुई अव्यवस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महाकुंभ में कई लोगों की मौत हुई, उससे सबक लेना चाहिए। नोडल अधिकारी इस पर नजर रखें। यातायात को ठीक से नियंत्रित किया जाएगा। वे सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी न हो। योजना ठीक से बनानी होगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में कई लोग मारे गए। हमें उस घटना से सीखना होगा। हमें अतीत से सीखना होगा। ममता बनर्जी ने इस बैठक में कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक भीड़ से बचने और सभी को उत्सव के प्रत्येक क्षण की तस्वीरें उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। दीघा में तीन वातानुकूलित हैंगर। पहले हैंगर में 6,000 दर्शकों के लिए जगह होगी। यहीं पर मुख्य मंच होगा। हैंगर 2 में 4,000 दर्शकों के लिए जगह होगी। वहाँ एक डिस्प्ले स्क्रीन होगी। हैंगर 3 में 3,000 दर्शकों के लिए जगह है। यहां एक डिस्प्ले स्क्रीन भी होगी। जहां यज्ञ होगा वहां जगह कम है। जिनके पास अनुमति है वे जा सकते हैं। जूते और मोबाइल फोन की अनुमति नहीं है। इसे क्लॉकरूम में रखा जाना चाहिए। उद्योगपतियों के लिए कन्वेंशन सेंटर में व्यवस्था। वे वहीं रहेंगे। दीघा में गंगासागर की तरह निःशुल्क टेंट कॉटेज। इस कॉटेज का प्रभार स्वयं सहायता समूह की लड़कियों के पास है। वे खाना बनाएंगे और मेहमानों को खिलाएंगे। प्रत्येक टेंट के सामने एक अग्निशामक यंत्र होगा। अग्निशमन बाइक रखी जाएंगी। 22 बड़े वाहन तैयार हैं। रेलवे स्टेशन पर भगदड़ नहीं होनी चाहिए। यदि वहां भीड़ हो तो उसे खाली छोड़ दें। वहां स्वास्थ्य शिविर और एम्बुलेंस उपलब्ध होंगी। भारत सेवाश्रम संघ से स्वयंसेवकों का अनुरोध किया जाएगा। शिविर और होल्डिंग क्षेत्र के लिए जिम्मेदार होगा। 29 और 30 तारीख को वरिष्ठ नागरिकों के लिए हरे रंग की कार। आपको मंदिर के सामने जूते पहनने की अनुमति नहीं है। मंत्री फिरहाद हकीम कोलकाता में रहेंगे। अरूप विश्वास-पुलक रॉय-स्नेहाशीष चक्रवर्ती-चंद्रिमा भट्टाचार्य-सुजीत बसु और इंद्रनील सेनगुप्ता 27 तारीख से दीघा में रहेंगे।

ममता ने भाजपा पर 26 हजार शिक्षकों की नौकरियां छीनने का लगाया आरोप

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर शिक्षकों की नौकरियां छीनने और फिर मामले में हंगामा खड़ा करने का बुधवार को आरोप लगाया। कोलकाता में इमामों और धार्मिक नेताओं के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने भाजपा पर उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्यों में नौकरियां छीनने और अपने वादे पूरे नहीं कर पाने का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि कुछ दिन तक उन्होंने (भाजपा ने) 25,000 शिक्षकों की नौकरी जाने का नाटक किया। उन्होंने ही नौकरियां छीनी और फिर उन्होंने ममता बनर्जी से जवाब मांगना शुरू कर दिया। आपने उनकी नौकरियां क्यों छीन लीं? क्या आपको ऐसा करने में शर्म नहीं आती? उन्होंने वादे के अनुसार त्रिपुरा में नौकरियां बहाल नहीं करने के लिए भाजपा की आलोचना की तथा उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होने का दावा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा में सत्ता संभालने के बाद आपने (भाजपा) नौकरी लौटाने का वादा नहीं निभाया। सत्ता में सात साल रहने के बाद भी आपने कुछ नहीं किया। उत्तर प्रदेश में करीब 69,000 शिक्षकों की नौकरी चली गई और मुख्यमंत्री योगी (आदित्यनाथ) बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं।

❑ **ममता ने योगी आदित्यनाथ पर पलटवार किया, उन्हें ‘सबसे बड़ा भोगी’ बताया**

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की आलोचना करने को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेश के अपने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए उन्हें ‘सबसे बड़ा भोगी’ करार दिया। ममता ने आदित्यनाथ पर अपने राज्य के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कानून-व्यवस्था, विशेषकर धार्मिक आयोजनों के दौरान उनके कामकाज की आलोचना की। ममता ने कहा कि योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े ‘भोगी’ हैं। महाकुंभ भगदड़ में कितने लोग मारे गए? क्या उन्होंने सही आंकड़े साझा किए कि इसमें कितने लोग मारे गए? उत्तर प्रदेश में पुलिस मुठभेड़ में कितने लोग मारे गए। वह शांतिपूर्ण रैलियां भी नहीं करने देते। पलटवार करते हुए ममता ने आदित्यनाथ के कानून-व्यवस्था पर बोलने के नैतिक अधिकार पर सवाल उठाया और उन पर आध्यात्मिकता के मुखौटे के पीछे छिपने का आरोप लगाया।

‘नौकरी छोटी बात है, जान चली जाए तो भी करूंगा जो करना है’, वक्फ विरोध के बीच वायरल हुआ सिंघम अफसर

कोलकाता, समाज्ञा : वक्फ कानून को लेकर राज्य के कई जिलों में छिड़े हिंसा के बीच एक पुलिस अधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अधिकारी हंगामे पर उतारू मुस्लिम भीड़ को संबोधित करते हुए साफ कहते हैं कि नौकरी छोटी बात है, जान चली जाए तो भी करूंगा जो करना है। यह बयान देने वाले अधिकारी डायमंड हार्बर पुलिस जिले के एडिशनल एसपी मिथुन कुमार दे है, जिन्हें लोग अब ’सिंघम’ कहकर बुला रहे हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से वक्फ कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद, मालदा और दक्षिण 24 परगना के भांगड़ क्षेत्र समेत राज्य के कई हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एडिशनल एसपी मिथुन कुमार दे प्रदर्शनकारियों के बीच खड़े होकर उन्हें समझा रहे हैं कि विरोध का तरीका शांतिपूर्ण होना चाहिए। वह कहते हैं कि प्रदर्शन का मतलब तोड़फोड़ या आगजनी नहीं होता। इसके बाद, उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि नौकरी छोटी बात है, जान भी चली जाए तो जो करना है करूंगा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान समय में जब आम जनता

का एक बड़ा वर्ग पुलिस के रवैये से असंतुष्ट दिखता है और कई बार उन पर कार्रवाई न करने के आरोप लगते हैं, उस माहौल में मितुन डे की यह स्पष्ट और दृढ़ उपस्थिति सोशल मीडिया पर खूब सराही जा रही है। उनकी ईमानदारी और सख्त तेवर ने उन्हें इंटरनेट पर ‘हीरो’ बना दिया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए गठित की समिति

आज चार सदस्यीय समिति पहुंचेगी कोलकाता, कल मालदह में विस्थापित प्रभावितों से मुलाकात करेंगे

नयी दिल्ली/कोलकाता : वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने बुधवार को गंभीरता से लिया और हिंसा की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति गुरुवार को कोलकाता पहुंचेगी और शुक्रवार को मुर्शिदाबाद में हिंसा से विस्थापित प्रभावित महिलाओं और परिवारों से मिलने के लिए मालदह जाएगी। टीम मालदह के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट के अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ भी बैठक करेगी। एनसीडब्ल्यू के एक अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हुई बेहद परेशान करने वाली घटना को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने स्वत: संज्ञान लिया और हिंसा की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। बताया गया है कि जांच समिति का गठन मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान के मंदिरपारा क्षेत्र में सांप्रदायिक अशांति के दौरान कई महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की रिपोर्ट के बाद किया गया है। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि ये महिलाएं अपने घरों से दूर हो गई हैं, डर और अनिश्चितता में जी रही हैं, अकल्पनीय हमला और नुकसान का सामना कर रही हैं। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि इन महिलाओं को उनके घरों से निकाल दिया गया है। वे भय और अनिश्चितता में रह रही हैं। विजया रहाटकर व्यक्तिगत रूप से हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगी, पीड़ितों से मिलेंगी तथा स्थिति का

आकलन करने के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत भी करेंगी। समिति में जांच में सहयोग देने तथा गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डॉ. अर्चना मजूमदार तथा राष्ट्रीय महिला आयोग की उप सचिव डॉ. शिवानी दे भी शामिल होंगी। समिति शनिवार को मुर्शिदाबाद में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करेगी, जिसमें शमशेरगंज, जाफराबाद और अन्य प्रभावित स्थान शामिल हैं। इस दौरे के दौरान टीम स्थानीय पीड़ितों, उनके परिवारों से बातचीत करेगी और मुर्शिदाबाद के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात करेंगी। अधिकारी ने कहा कि समिति उन परिस्थितियों की जांच करेगी जिनके कारण यह घटना हुई और संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई प्रतिक्रिया और उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करेगी। यह पीड़ितों, उनके परिवारों, अधिकारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर तथ्य जुटाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। समिति को उचित समय और स्थान पर बैठकें आयोजित करने का अधिकार है तथा वह अपनी प्रक्रिया स्वयं विनियमित करेगी।

मुर्शिदाबाद में लौटे 140 लोग, शांति बहाल करने में जुटी पुलिस और बीएसएफ

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : जिले में हाल ही में हुई हिंसा के बाद घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग अब धीरे-धीरे वापस लौट रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, बीते तीन दिनों में करीब 140 लोग अपने घरों को आ चुके हैं, जबकि बाकी लगभग 360 लोगों को भी घर लाने की कोशिश में पुलिस और बीएसएफ दिन-रात काम कर रही है। धुलियान इलाके में मंगलवार को कई परिवार अपने-अपने गांवों की ओर लौटते नजर आए। पुरुषों के कंधों पर बैग, महिलाओं के हाथ में पोटली और बच्चों की उंगलियां थामे लोगों के चेहरे पर डर और राहत दोनों की झलक दिखी। पिछले 48 घंटों में हिंसा प्रभावित इलाकों में लगातार पुलिस और बीएसएफ की गश्त ने लोगों में भरोसा लौटाया है। अराजकता फैलाने वालों की गिरफ्तारी भी लगातार जारी है। प्रभावित परिवारों को यह विश्वास दिलाने के लिए कि वे सुरक्षित हैं, बीएसएफ और पुलिस ने हर परिवार को संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर भी दिए हैं। किसी भी तरह की परेशानी की खबर मिलते ही सुरक्षा बल तत्काल मौके पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन का अनुमान है कि लगभग 500 परिवार घर छोड़ने को मजबूर हुए थे। हालांकि, स्थानीय लोगों का दावा है कि यह संख्या हजार से ऊपर थी और कई लोग झारखंड और मालदी तक चले गए थे। रविवार को 19 लोग लौटे, सोमवार को 49 और मंगलवार की रात तक 72 और लोग वापस आए। जिलाधिकारी दीन नारायण घोष ने बताया कि हम सभी को आश्वस्त कर रहे हैं। डरने की कोई जरूरत नहीं है। दो सामुदायिक रसोई चलाई जा रही हैं और राहत किट दी जा रही हैं। जंगीपुर पुलिस जिले के एसपी आनंद राय ने कहा कि क्षेत्र में पूर्णतः शांति है। अब घर न लौटने का कोई कारण नहीं।

❑ **सोशल मीडिया पर सख्ती, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई**

पुलिस के मुताबिक, अब तक 1,093 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक किया जा चुका है जो अफवाह और उकसावे की सामग्री फैला रहे थे। एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतीम सरकार ने कहा कि फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों पर ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। पुलिस द्वारा बनाए गए बूथ-स्तरीय शांति समितियों में स्थानीय और राजनीतिक प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। स्थानीय स्तर पर स्वीकार्य व्यक्तियों को इन समितियों का प्रमुख बनाया गया है, जिनकी जिम्मेदारी किसी भी अफवाह या समस्या की सूचना तुरंत पुलिस को देना है।

मुर्शिदाबाद में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने तृणमूल नेता के भाई की दुकान फूंकी

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद के धुलियान में बुधवार को फिर हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने तृणमूल कांग्रेस नियंत्रित नगरपालिका के वाइस चेयरमैन के भाई की दुकान में आग लगा दी। हालांकि, पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित कर लिया। वहीं, मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों के निवासियों का दावा है कि वक्फ अधिनियम का विरोध करने के नाम पर बाहरी लोगों ने घरों, मंदिरों और दुकानों को नुकसान पहुंचाया। बाहरी लोगों ने हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के घरों में तोड़फोड़ की। उनकी दुकानों को लूटा।

मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए नौ सदस्यीय एसआईटी का गठन

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल पुलिस ने बुधवार को अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले में पिछले लगभग पूरे सप्ताह हुई हिंसा और दंगे जैसी स्थिति की जांच के लिए नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की। मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए राज्य पुलिस की नौ सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी करेंगे, जिनकी सहायता के लिए पुलिस उपाधीक्षक स्तर के दो अधिकारी और छह निरीक्षक स्तर के अधिकारी होंगे। एसआईटी में राज्य पुलिस के विभिन्न विभागों जैसे खुफिया शाखा, आतंकवाद निरोधक बल, आपराधिक जांच विभाग और साइबर अपराध प्रभाग का प्रतिनिधित्व होगा। बताया जा रहा है कि यह टीम मुर्शिदाबाद के जंगीपुर, धुलियान, शमशेरगंज और सुती थाना क्षेत्रों में हुई हिंसा की घटनाओं की जांच करेगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा : एनआईए जांच की मांग पर हाईकोर्ट में याचिका, आज सुनवाई की संभावना

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून में संशोधन के विरोध के बाद भड़की हिंसा को लेकर अब कानूनी जंग शुरू हो गई है। हिंसा से प्रभावित परिवारों ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। बता दें कि पिछले शुक्रवार से मुर्शिदाबाद के कई हिस्सों में तनाव का माहौल बना हुआ है। आरोप है कि हिंसा में तीन लोगों की जान गई और कई परिवार बेघर हुए हैं। हिंसा से प्रभावित लोगों का आरोप है कि वक्फ कानून के नाम पर सुनियोजित साजिश रची जा रही है। उन्होंने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच एनआईए से कराई जाए ताकि साजिश की परतें खुल सकें। सूती, धुलियान और शमशेरगंज जैसे इलाकों के कई निवासी बुधवार को इस मुद्दे को लेकर मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश हुए। पीड़ितों ने बताया कि उनके घरों पर बम फेंके गए, लेकिन पुलिस ने शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस अधीक्षक को ईमेल भेजकर भी सूचना दी गई, मगर कोई जवाब नहीं मिला। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले में याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है और संभावना है कि इस पर गुरुवार को सुनवाई हो सकती है। विश्व हिंदू परिषद ने भी मुर्शिदाबाद की स्थिति को लेकर कोर्ट में अलग से याचिका लगाई है।

मुर्शिदाबाद में राहत शिविर खोलने पर रोक, पुलिस के खिलाफ हाई कोर्ट में मामला दर्ज

मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक और मामला दायर किया गया है। घरों में लूटपाट के अलावा जानमाल की हानि की भी घटनाएं हुईं। बुधवार को एक स्वयंसेवी संगठन ने हाई कोर्ट में मामला दायर करने की अनुमति मांगी। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने मामला दर्ज करने की अनुमति दे दी है। इस मामले की सुनवाई आज होने की संभावना है। इस दिन, जिले के जंगीपुर, धुलियान, शमशेरगंज या सूती थाना क्षेत्रों में किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई नई खबर नहीं आई है। हालांकि, अशांत क्षेत्रों में कई लोग बेघर हैं। ऐसे में एक सामाजिक सेवा संगठन उनके लिए राहत शिविर खोलना चाहता है। वे पीड़ितों को भोजन, दवा और कपड़े उपलब्ध कराना चाहते हैं। शिकायत यह है कि वे बेघर लोगों को उनके सामान्य जीवन में लौटने में मदद करने के लिए काम करना चाहते हैं, और यद्यपि उन्होंने अनुमति के लिए पुलिस से आवेदन किया, लेकिन पुलिस ने इसे स्वीकार नहीं किया। इस संबंध में सबसे पहले न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत में मामला दायर करने की अनुमति मांगी गई थी। उन्होंने मामला न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की पीठ को भेज दिया। न्यायमूर्ति सिन्हा ने मामला दायर करने की अनुमति दे दी।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

अधिसूचना

"यलो लाइन के जय हिंद बिमान बंदर मेट्रो स्टेशन के सुरंग खंड और भूमिगत स्टेशन में साझा मोबाइल (सेलुलर) कवरेज प्रदान करने के लिए आईबीएस हेतु स्थान के लाइसेंसिंग" के लिए विज्ञापित और संलग्न लॉट विवरण के अनुसार दिनांक 21.04.25 को 12.00 बजे निर्धारित ई-नीलामी को प्रशासनिक कारणों से रद्द कर दिया गया है।

नीलामी प्राधिकारी – मेट्रो रेलवे, कोलकाता के उप सीएमई/जोका	
नीलामी शुरू : 21.04.2025 को 12.00 बजे	नीलामी समाप्त : 21.04.2025 को 12.30 बजे
कैटेगरी: विविध स्टैटिक सेवाएँ – स्टैटिक जनरल (मोबाइल सर्विस एग्रीगेटर)	कैटलॉग नं. : 25008एमआरके – एमएसएसएमएसए

ई-नीलामी की संशोधित तिथि शीघ्र ही सूचित की जाएगी। यह प्रत्याशित बोलीदाताओं की जानकारी के लिए है।

प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक

हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

पूर्व रेलवे

निविदा संख्या: एमसी-ईसीए-एलएचबी-2024, दिनांक 15.04.2025। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सीएचजी. एवं टी/एस), हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम :** तीन वर्षों की अवधि के लिए टिकियापाड़ा और एसवाईई कोचिंग डिपो के एलएचबी कोचों के व्हील सेटों का एडी करंट एरे (ईसीए) परीक्षण। **निविदा मूल्य :** रु. 3,32,31,419.79। **जमा की जाने वाली बयाना राशि :** रु. 3,16,200। **अनुबंध की अवधि :** कार्य शुरू होने की तारीख से 36 महीने। **ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरण : www.ireps.gov.in। बोली बंद होने की तारीख और समय:** 05.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। (HWH-29/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा संख्या : डब्ल्यू_2_623_1_एसकेवी-वेल्ड_25-26, दिनांक 15.04.2025। प्रधान मुख्य अभियंता, पूर्व रेलवे, फेयरली प्लेस, 17, एन.एस. रोड, कोलकाता-700001 द्वारा प्रतिष्ठित एवं पात्र ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** 3 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा मंडल में एल्युमिनो थर्मिट एसकेवी प्रक्रिया द्वारा रेल जॉइण्टों की वेल्डिंग सहित वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति और देखरेख। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 12,19,07,882.98। **बयाना राशि :** रु. 7,59,500। **पूरा करने की अवधि : 36** महीने। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 09.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। निविदा दस्तावेजों का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। (MISC-16/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : एमसी/एससी/रोड आर्ट/2025, दिनांक 11.04.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, कमरा सं. 42, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, केजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित निविदा प्रपत्र पर "दो पैकेट प्रणाली" में मुहरबंद खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/विवरण:** पटरीच्यूत/दुर्घटना स्थल तक आपदा सामग्रियों के परिवहन के लिए 03 वर्षों की अवधि हेतु वाहन (क्षमता-5/8 एमटी) किराए पर लेना। **निविदा मूल्य :** रु. 1,98,89,994.60; **बयाना राशि :** रु. 2,49,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **अनुबंध की अवधि:** 03 वर्ष। **बोली शुरू होने की तारीख:** 21.04.2025; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 05.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। निविदा दस्तावेज के साथ ई-निविदा सूचना एवं कार्य के लिए पात्रता के मानदंड www.ireps.gov.in (वेबसाइट यूआरएल) पर देखा एवं वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। (SDAH-17/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एक जोड़ी बैण्डेल-कटवा-बैण्डेल लोकल की सेवा पुनर्बहाल

हावड़ा मंडल के बैण्डेल-कटवा अनुभाग में दाईहाट एवं धात्रीग्राम स्टेशनों के बीच डाउन मेन लाइन पर 14 दिनों के लिए **ट्रैफिक ब्लॉक** के कारण एक जोड़ी बैण्डेल-कटवा-बैण्डेल लोकल के निरस्त किए जाने के संबंध में पूर्व प्रकाशित अधिसूचना के संदर्भ में नीचे उल्लेखित **संशोधन** किए गए हैं: •**दिनांक 16, 18, 19, 21, 22, 23, 25, 26, 28, 29, 30.04.2025, 2, 3 एवं 05.05.2025 को पूर्व में निरस्त 37749 अप बैण्डेल-कटवा लोकल एवं 37748 डाउन कटवा-बैण्डेल लोकल की सेवा पुनर्बहाल कर दी गई है तथा अब निम्नानुसार संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी/संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी**: ऊपर उल्लेखित तिथियों को **37749 अप** बैण्डेल-कटवा लोकल **धात्रीग्राम** में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी एवं धात्रीग्राम एवं कटवा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी तथा **37748 डाउन** कटवा-बैण्डेल लोकल **धात्रीग्राम** से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी तथा कटवा एवं समुद्रगढ़ के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

सियालदह मंडल के तहत कैटरिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए 01 अदद जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) का आबंटन

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कमरा नं. 44, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, केजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए कैटरिंग व्यवसाय में तीन वर्षों का अनुभव रखने वाले तथा अन्य वित्तीय पात्रता के मानदंडों को पूरा करने वाले खाद्य एवं खानपान सेवा प्रदाता, व्यक्ति विशेष अथवा एकल स्वत्वाधिकारी फर्म अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन गठित कंपनी अथवा पार्टनरशिप अधिनियम, 1932 के अधीन पंजीकृत पार्टनरशिप फर्म से प्रतिस्पर्धात्मक, एकल चरण, दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** सियालदह मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों/स्थानों पर सिर्फ 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **स्टेशन:** कोलकाता; **स्टेशन की श्रेणी:** ए, **यूनिट सं.:** केओएए-एस/2ए; **वर्ग:** साधारण; **स्थान:** पी.एफ. 2/3 (आरेख के अनुसार); **न्यूनतम वार्षिक आरक्षित मूल्य:** रु. 8,88,800/-; **बयाना राशि (ईएमडी):** रु. 92,500/-; **बोली दस्तावेज की कीमत:** रु. 3,360/-। आरक्षित मूल्य, निविदा दस्तावेज की कीमत, बयाना राशि जमा, विस्तृत नियम एवं शर्तें सम्मिलित निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इस निविदा के लिए बोलियां सिर्फ कथित वेबसाइट पर ई-टेंडरिंग विधि के जरिए जमा की जानी चाहिए। **बोली बंद होने की तारीख एवं समय : 05.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे।**

(SDAH-13/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मालदा टाउन और दीघा के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 03465/03466 **मालदा टाउन-दीघा-मालदा टाउन ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, आवागमन की तिथियों और गठन के अनुसार चलेगी:-

मालदा टाउन-दीघा स्पेशल			03465 03466	दीघा-मालदा टाउन स्पेशल		
दिन	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
शनिवार	--	13.10	मालदा टाउन	18.30	--	रविवार
	18.10	18.15	आसनसोल जं.	13.00	13.05	
	20.08	20.10	बाँकुड़ा	10.25	10.27	
	22.30	22.35	खड़गपुर जं.	08.20	08.25	
रविवार	02.00	--	दीघा	--	05.00	

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में रामपुरहाट, सांइथिया, अण्डाल जं., आद्रा, बिष्णुपुर, मिदनापुर, पांसकुड़ा, तमलुक, काँथि स्टेशनों पर भी रुकेंगी। ● **आवागमन के दिन और तिथियाँ: मालदा टाउन से:** 03465 दिनांक 19.04, 26.04, 03.05, 10.05, 17.05, 24.05, 31.05, 07.06 एवं 14.06.2025 (शनिवार) को और **दीघा से:** 03466 दिनांक 20.04, 27.04, 04.05, 11.05, 18.05, 25.05, 01.06, 08.06 एवं 15.06.2025 (रविवार) को = 9 ट्रिप प्रत्येक। ● **गठन:** एसी 3-टियर - 01, शयनयान श्रेणी- 04, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 07, एसएलआरडी - 02 = 14 कोच। ● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बेरोजगार शिक्षकों के एक समूह ने दिल्ली के जंतर मंतर पर किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली/कोलकाता : भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की वजह से उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्ति रद्द किये जाने से बेरोजगार हुए राज्य के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मियों में से कुछ ने बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया और नौकरी में बहाली की मांग की। आंदोलन कर रहे शिक्षकों ने यहां 'योग्य शिक्षक शिक्षिका अधिकार मंच' के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने कहा कि एसएससी फर्जी और वैध उम्मीदवारों के बीच अंतर करने में विफल रहा है, जिसके कारण नियुक्तियां रद्द कर दी गईं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार और

आयोग से योग्य उम्मीदवारों को बहाल करने के लिए एक तंत्र विकसित करने का आग्रह किया है। बेरोजगार शिक्षकों में से एक चिन्मय मंडल ने कहा कि वे अपनी स्थिति को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील करने के लिए दिल्ली आए हैं। मंडल ने कहा कि हम देश के लोगों को बताना चाहते हैं कि हम किस तरह से पीड़ित हैं। हमारे राज्य में शिक्षा प्रणाली ध्वस्त हो रही है और हमारे अधिकारों की रक्षा नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि निर्दोष को दंडित नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा आने वाली पीढ़ियां यह सोचकर शिक्षक बनने से कतराएंगी कि यह एक कलंकित पेशा है। मंडल ने कहा कि वे लोग न केवल अपनी नौकरी के लिए लड़ रहे हैं, बल्कि अपने सम्मान के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। एक अन्य नौकरी गंवा चुके रहमान ने कहा कि उन्हें संस्थागत धोखाधड़ी के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। प्रलय कुमार जामदार ने बताया कि उनकी नियुक्ति झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा के पास पुरुलिया के एक स्कूल में हुई थी, जहां वे अपने परिवार के साथ किराये के मकान में रह रहे थे। जामदार ने बताया कि उनका परिवार अब भी वहीं है। उन्होंने कहा कि नौकरी छूट जाने के बावजूद वह 5,000 रुपये मासिक किराया दे रहे हैं। जामदार ने कहा कि हमारे परिवार इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। लोग हमारी पीठ पीछे बातें करते हैं और हम पर चोर होने का आरोप लगाते हैं। हमारे बच्चों को स्कूल जाते समय ताने सहने पड़ते हैं। प्रदर्शनकारी शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने 'हमें हमारी नौकरी दो या हमें मौत दो' जैसे नारे लगाए और हाथों में तख्तियां लेकर न्याय की गुहार लगाई तथा निर्दोषों के बजाय दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्राथमिक में 32 हजार नियुक्ति रद्द मामले की शीघ्र सुनवाई की मांग हाई कोर्ट में

❑ कोर्ट की सलाह पर गुरुवार को सभी पक्षों के साथ याचिका दाखिल करेंगे याचिकाकर्ता

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती की 32,000 नियुक्तियों को रद्द करने के मामले में अब याचिकाकर्ताओं ने कलकत्ता हाई कोर्ट से शीघ्र सुनवाई की मांग की है। मंगलवार को यह याचिका जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस ऋतब्रत मित्रा की डिवीजन बेंच में दाखिल की गई। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस मामले में अंतरिम आदेश जारी है, जिसके कारण वे नुकसान झेल रहे हैं। ऐसे में जल्द से जल्द मामले की सुनवाई की आवश्यकता है।

जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती ने कहा

कि यदि शीघ्र सुनवाई करनी है, तो बाकी सभी पक्षों को भी नोटिस भेजकर कोर्ट में उपस्थित होने को कहा जाए। सिर्फ एक पक्ष की अपील के आधार पर तारीख तय करने से सुनवाई निर्धारित दिन पर न भी हो सकती है। इसी कारण, अदालत ने सुझाव दिया है कि गुरुवार को सभी पक्षों को साथ लेकर डिवीजन बेंच के समक्ष शीघ्र सुनवाई की संयुक्त याचिका दाखिल की जाए।

उल्लेखनीय है कि यह मामला पहले जस्टिस सौमेन सेन की डिवीजन बेंच में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था। सिंगल बेंच ने 32 हजार नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए उन्हें रद्द करने का आदेश दिया था, जिसे पहले जस्टिस सुभ्रत तालुकदार की डिवीजन बेंच ने स्थगित किया था। बाद में जस्टिस सेन ने उस स्थगन आदेश को समाप्त कर दिया। अंततः जस्टिस सेन ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया, जिसके बाद यह मामला अब जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती की डिवीजन बेंच को सौंपा गया है।

राज्य ने 132 दवाओं की कीमतें कीं कम

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य स्वास्थ्य विभाग ने 132 दवाओं की कीमतें कम कर दी हैं जिसमें कैंसर को रोकने के लिए कई दवाएं शामिल हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही 9 और दवाओं को स्वास्थ्यसाथी समूह के अंतर्गत लाया गया। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि स्वास्थ्य देखभाल सहायक विभाग के इस कदम से मरीज के परिवार पर अतिरिक्त दवाओं का बोझ कम करने में मदद मिलेगी। सरकारी डॉक्टरों के संघ ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ये दवाएं अस्पतालों में उपलब्ध हों। क्योंकि गांवों में लोग सरकारी सेवाओं पर निर्भर हैं। इसलिए यदि डॉक्टर कोई दवा लिखता भी है तो अस्पताल में दवा का स्टॉक होना चाहिए। जिन दवाओं की कीमतों में कमी की गई है उनमें एंटीबायोटिक्स, हृदय रोग, स्ट्रोक और तंत्रिका संबंधी दवाएं, मधुमेह, एंटी-एलर्जी, कृमिनाशक और कुछ जीवन रक्षक इंजेक्शन शामिल हैं।

अभी धुलियान नहीं जा सकेंगे शुभेंदु, विपक्ष के नेता के मामले में सिंगल बेंच ने नहीं किया हस्तक्षेप

मामला जाएगा मुख्य न्यायाधीश के पास

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को फिलहाल मुर्शिदाबाद के धुलियान जाने की अनुमति नहीं मिली है। धुलियान जाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस तीर्थंकर घोष की एकल पीठ ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया।

दरअसल, इस विषय में एक जनहित याचिका पहले से ही डिवीजन बेंच में विचाराधीन है और कल यानी गुरुवार को उस मामले में केंद्र और राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करनी है। इसी कारण सिंगल बेंच ने हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। अब यह मामला मुख्य न्यायाधीश के पास जाएगा और संभावना है कि कल इसकी सुनवाई हो सकती है।

शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया था कि पुलिस उन्हें मुर्शिदाबाद के धुलियान जाने की अनुमति नहीं दे रही है, जबकि अन्य राजनीतिक दलों के नेता-नेत्रियों को वहां जाने दिया जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस बीच, कल हाई कोर्ट में एनआईए जांच को लेकर भी सुनवाई है। विपक्षी नेताओं के साथ-साथ हमलों का शिकार हुए परिवारों ने भी एनआईए जांच की मांग की है। इन सभी मामलों के साथ शुभेंदु की याचिका भी कल अदालत में सुनवाई के लिए आ सकती है।

दुर्गापुर एनआईटी में शोध के दौरान विस्फोट, प्रोफेसर और छात्र झुलसे

दुर्गापुर : दुर्गापुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में मंगलवार की सुबह मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में थर्माइट वेल्डिंग पर शोध के दौरान हुए विस्फोट ने हड़कंप मचा दिया। इस हादसे में वरिष्ठ प्रोफेसर इंद्रजीत बसाक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि छात्र आकाश माझी को भी चोटें आईं। एनआईटी सूत्रों के अनुसार, प्रोफेसर इंद्रजीत बसाक, जो दुर्गापुर के सिटी सेंटर स्थित रिकॉल पार्क के निवासी हैं, और आसनसोल निवासी छात्र आकाश माझी मंगलवार को शोध कार्य में लगे थे। तभी, रासायनिक रिसाव के कारण विस्फोट हुआ, जिससे दोनों झुलस गए। दोनों को तत्काल दुर्गापुर के गांधी मोड़ स्थित एक निजी अस्प-

ताल में भर्ती कराया गया। एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी श्रीकृष्ण राय ने बताया प्रोफेसर बसाक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, छात्र आकाश माझी की स्थिति स्थिर है और वह छात्रावास लौट चुके हैं। एनआईटी प्रशासन ने घटना की गंभीरता को स्वीकार करते हुए जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता की डब्ल्यूबीसीआईएल को मिला प्रतिष्ठित 'नेशनल आईपी अवॉर्ड 2024'

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता स्थित प्रमुख एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स निर्माता वेस्ट बंगाल केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 के लिए 'नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी को शीर्ष भारतीय एमएसएमई श्रेणी में पेटेंट फाइलिंग, स्वीकृति और व्यावसायीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रदान किया गया। यह पहल भारत में बौद्धिक संपदा को सशक्त करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डबल्यूबीसीआईएल ने वैज्ञानिक शोध और नवाचार के क्षेत्र में एक सशक्त पहचान बनाई है और अब तक इसके 9 से अधिक पेटेंट्स को स्वीकृति मिल चुकी है। कंपनी पेटेंट आधारित एपीआई निर्माण के लिए जानी जाती है और उसने घरेलू तथा वैश्विक बाजारों में पेटेंटेड अणुओं के व्यावसायीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह सम्मान कंपनी की वैज्ञानिक अनुसंधान, 30 से अधिक देशों में फार्मा निर्यात और कोलकाता को अनुसंधान एवं विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। डबल्यूबीसीआईएल के प्रवक्ता ने इस उपलब्धि को कोलकाता की वैश्विक नवाचार मानचित्र पर अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता का उत्सव बताया।

रोजाना 50 ग्राम बादाम से सुधरता है दिल और मेटाबॉलिज्म स्वास्थ्य : विशेषज्ञों की नई रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : हाल ही में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में विशेषज्ञों ने पुष्टि की है कि रोजाना 50 ग्राम बादाम खाने से हृदय और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और यह वजन घटाने में भी सहायक हो सकता है। दुनियाभर के 11 प्रमुख स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों ने बादाम पर अब तक हुई रिसर्च की समीक्षा कर यह निष्कर्ष निकाला। यह सहमति पत्र करंट डेवलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित हुआ है और आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा आयोजित वैज्ञानिक गोलमेज सम्मेलन के बाद तैयार किया गया। अध्ययन में बताया गया कि बादाम एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर को कम कर सकते हैं, गट हेल्थ को सुधारते हैं और प्रीडायबिटी से जूझ रहे एशियाई भारतीयों में ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। शोध में यह भी बताया गया कि बादाम पोषण का खजाना हैं और संतुलित आहार के साथ इनका सेवन जीवन की गुणवत्ता बेहतर बना सकता है। डॉ. अनूप मिश्रा और डॉ. सीमा गुलाटी जैसे विशेषज्ञों ने एशियाई भारतीयों में इसके सकारात्मक प्रभावों पर जोर दिया।

टूक ने दमदार गेमिंग फीचर्स के साथ 'बड्स क्रिस्टल डायनो' किया लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के अग्रणी ऑडियो ब्रांड टूक ने अपनी गेमिंग सीरीज में नया प्रोडक्ट 'बड्स क्रिस्टल डायनो' लॉन्च किया है। यह ईयरबड्स 21 अप्रैल से अमेजन, फ्लिपकार्ट और टूक.इन पर 1099 में उपलब्ध होगा, हालांकि लॉन्च के पहले दो घंटे में इसे 799 में खरीदा जा सकेगा। इसके बाद यह 999 की कीमत पर मिलेगा। तीन रंगों- रैवन ब्लैक, ओक ब्राउन और आर्कटिक ब्लू - में उपलब्ध यह प्रोडक्ट 'मेड इन इंडिया' को बढ़ावा देता है। इसमें ब्लूटूथ 5.4, 13एमएम टाइटेनियम ड्राइवर्स, रैपिड चार्जिंग, 70 घंटे का प्लेबैक टाइम और 40एमएस लो लेटेंसी गेमिंग मोड जैसे फीचर्स शामिल हैं। सीईओ पंकज उपाध्याय के अनुसार, टूक का लक्ष्य प्रीमियम क्वालिटी को बजट में लाकर युवाओं को बेहतरीन गेमिंग अनुभव देना है। प्रोडक्ट के साथ 12 महीने की वारंटी और 350+ सर्विस सेंटर्स की सुविधा भी उपलब्ध है।

अमेजन इंडिया ने टैबलेट्स के लिए स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम किया लॉन्च, खरीदारी होगी अब और आसान

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन इंडिया ने अपने लोकप्रिय स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम का विस्तार अब टैबलेट्स कैटेगरी तक कर दिया है। यह प्रोग्राम पहले से ही लैपटॉप्स के लिए सफल रहा है, जहां 2024 में बेचे गए हर चार में से एक लैपटॉप स्मार्टच्वॉइस सिफारिश के अंतर्गत रहा। अब यह पहल तेजी से बढ़ती टैबलेट्स कैटेगरी को ध्यान में रखते हुए की गई है, जिसने 2024 में 26% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। अमेजन इंडिया की डायरेक्टर (कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स) जेबा खान के अनुसार, स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम ग्राहकों को विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए, उनके उपयोग के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ डिवाइस चुनने में मदद करता है। प्रोग्राम के तहत डिवाइसेज को उपयोग जैसे पढ़ाई, एंटरटेनमेंट या प्रोफेशनल काम के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इसमें सैमसंग, लेनोवो, एसर, एचपी जैसे ब्रांड्स के उत्पाद शामिल हैं। यह पहल अब लैपटॉप्स और टैबलेट्स की खरीद को पारदर्शी, सरल और उपयोगकर्ता-केंद्रित बना रही है।

बंगाली नववर्ष पर ठंठनिया काली मंदिर के पास श्रद्धालुओं में ग्लूकोज व शीतल पेय जल वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल जायसवाल युवा मंच, क्षेत्र विधान सरणी एवं जायसवाल संरक्षक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बंगाली नववर्ष के पावन अवसर पर ठंठनिया काली मंदिर के समीप पूजन हेतु पधारे श्रद्धालुओं के लिए ग्लूकोज व शीतल पेय जल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दरी एवं धूप से राहत हेतु बड़ी छतरियों की भी व्यवस्था की गई। साथ ही, उपहारस्वरूप की-रिंग भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्र अध्यक्ष अमित (विक्की), पंकज, जितेन्द्र, संरक्षक संघ के महासचिव राजेश, राजीव, अक्षय, उमेश, केंद्रीय अध्यक्ष सुमित, वीरेंद्र, अनिल साईं, महेन्द्र, दयाराम एवं जवाहर के अलावा

महिला विंग से अंजना, रूबी, रति, स्वेता, बउबाजार क्षेत्र से अभिषेक, राजेश साव, रिकी, राज, मानिकतल्ला क्षेत्र से दिनेश, प्रिंसू, रॉबिन, मयूर, दीपक, कुण्डन, विकास, चलता बगान क्षेत्र से गणेश, जे. पी., बी.टी. रोड क्षेत्र से सरोज, विधान सरणी इकाई से ओमप्रकाश, अमित (बंटू जी), नवीन, सोनू, कमेठ, भास्कर, आदर्श, अमन तथा समाज के विशिष्ट समाजसेवी विकास जायसवाल (डब्बू), रौशन की गरिमामयी उपस्थिति ने सार्थक बनाया।

कांग्रेस व माकपा ने मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया

कोलकाता, समाज्ञा

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर चौधरी ने कहा कि आप (मुख्यमंत्री) हिंसा के बारे में कोलकाता से बयान जारी कर रही हैं, लेकिन आपने प्रभावित क्षेत्रों शमसेरगंज, सुती, धुलियान, जंगीपुर का आज तक दौरा नहीं किया।

चौधरी ने कहा कि आपके सांसद और विधायक, जो अन्य मौकों पर बड़े-बड़े दावे करते हैं, संकट के इस समय प्रभावित लोगों के साथ नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालिया चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं और उन्होंने भी कुछ इलाकों का दौरा किया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि ममता बनर्जी का विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान पाखंड है।

माकपा नेता ने आरोप लगाया कि एक तरफ वह दीघा में जगन्नाथ मंदिर स्थापित कर रही हैं और दूसरी तरफ सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथी ताकतों से नजदीकी बढ़ा रही हैं। उनके प्रशासन को मुर्शिदाबाद में शुरुआती दौर में हिंसा को रोकने में इतना समय क्यों लगा? वह वोट बैंक की खतरनाक राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि माकपा सांप्रदायिकता से लड़ने के लिए गंभीर है। उन्होंने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री बताएंगी कि संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बहस के दौरान उनकी पार्टी के कुछ सहयोगियों ने क्यों भाग नहीं लिया? चक्रवर्ती ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के पारित होने के खिलाफ किसी कानूनी कदम का समर्थन करेगी या नहीं।

हावड़ा डिवीजन ने अपनी 100 वर्षों की गौरवमयी सेवा की पूरी, आधिकारिक लोगो का अनावरण

❑ डीआरएम ने विकास योजनाओं की दी जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा के डीआरएम संजीव कुमार ने हावड़ा डिवीजन की 100 वर्षों की गौरवमयी सेवा की उपलब्धि के उपलक्ष्य में बुधवार को एक प्रेस बैठक आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने डिवीजन में चल रहे बुनियादी ढांचा विकास कार्यों के बारे में भी मीडिया को जानकारी दी। इस अवसर पर 100 गौरवमयी वर्षों की सेवा को समर्पित आधिकारिक लोगो का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त डिवीजनल रेलवे मैनेजर (ऑपरेशन्स), अतिरिक्त डिवीजनल रेलवे मैनेजर (प्रशासन) और हावड़ा डिवीजन के वरिष्ठ शाखा अधिकारी भी उपस्थित रहे। हावड़ा डिवीजन, जो पूर्व रेलवे का हिस्सा है, 2025 में अपनी 100वीं वर्षगांठ मना रहा है। 1 जनवरी 1925 को ब्रिटिश भारतीय सरकार ने पूर्व भारतीय रेलवे का प्रभार संभाला था,

प्रेस को संबोधित करते डीआरएम संजीव कुमार, साथ में हैं सीनियर डीसीएम राहुल रंजन व अन्य

जिसके बाद हावड़ा सहित छह डिवीजनों का गठन हुआ। डीआरएम ने मीडिया को बताया कि इस शताब्दी के उपलक्ष्य में एक महीने तक चलने वाले आयोजनों की योजना बनाई गई है। इनमें ईएमयू ट्रेनों में विरासत से संबंधित चित्रों का प्रदर्शन, राजधनी एक्सप्रेस इंजन का धरोहर-थीम पर चित्रण, एक स्मारक डाक टिकट और कैशेट का विमोचन, नया डीआरएम भवन, आरपीएफ बैरक, हावड़ा ऑर्थोपेडिक अस्पताल में कर्मचारियों की भलाई हेतु सीटी स्कैन सुविधा का उद्घाटन, प्रभात फेरियां और डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान और श्रमदान जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

डीआरएम संजीव कुमार ने हावड़ा

हावड़ा डिवीजन ने 100 साल की गौरवगाथा को समर्पित आधिकारिक लोगो का किया भव्य अनावरण।

डिवीजन के आगामी 2-3 वर्षों में शुरू होने वाले प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया, साथ ही उनकी अनुमानित समयसीमा भी साझा की। उन्होंने डिवीजन के भविष्य के लक्ष्यों और दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए आश्वासन दिया कि यात्री सुविधाओं और संचालन दक्षता को और बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

भांगड़ हिंसा मामले में अब तक 17 लोगों की गिरफ्तारी, पुलिस की कड़ी निगरानी

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद हुई हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए आठ और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, हिंसा के कुछ घंटे बाद सोमवार की रात काशीपुर थाना इलाके से 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने कहा कि मंगलवार की रात हाथीशाला से चार और लोगों जबकि चंदनेश्वर से से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के जरिए तीन लोगों की पहचान की गई, जिसमें वे भांगड़ में संपत्ति में तोड़फोड़ करते और हिंसा भड़काते देखे गए थे। बता दें कि अशांति सोमवार को तब शुरू हुई थी जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भांगड़ में हिंसा भड़क उठी। इस दौरान, इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा और पुलिस के कई वाहनों को आग लगा दी गई। झड़प उस समय बढ़ गईं जब पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को वक्फ कानून के खिलाफ रैली में शामिल होने के लिए मध्य कोलकाता के रामलीला मैदान की ओर जाने से रोक दिया।

चलती बस में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़, आरोपी की जूतों से पिटाई

बांकुड़ा : बांकुड़ा जिले के रायपुर क्षेत्र में चलती बस में एक नाबालिग छात्रा के साथ अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। घटना के बारे में पता चलते ही छात्रा की मां ने आरोपी को बस से नीचे उतारकर सार्वजनिक रूप से जूतों से पीटा। पूरी घटना का वीडियो

मौके पर मौजूद यात्रियों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता आठवीं कक्षा की छात्रा है और सोमवार सुबह ट्यूशन पढ़ने के लिए बस से जा रही थी। उसी बस में बिजली विभाग का एक कर्मचारी भी सफर कर रहा था। आरोप है कि बस में भीड़ का फायदा उठाकर उस युवक ने छात्रा के साथ गलत हरकत की। गुस्साए यात्रियों ने बस को रायपुर इलाके में रोका और आरोपी को नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ से आरोपी को बचाकर थाने ले गई। अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर में 25 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

❑ कन्या का विवाह कराने से बढ़ कर कोई पुण्य नहीं है - बाजोरिया दंपती

कोलकाता, समाज्ञा : श्री सिद्धिविनायक देवस्थानम में संकष्टी चतुर्थी के पावन अवसर पर विवाह योग्य 25 जोड़ों का सामूहिक विवाह वैदिक मंत्रोच्चारण और भक्ति भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। गणपति बप्पा मोरया और मंगलमूर्ति मोरया के जयकारों के बीच हुए इस शुभ आयोजन में सभी जोड़ों का विवाह सनातन हिंदू धर्म की परंपराओं के अनुसार विधिपूर्वक संपन्न कराया गया। विवाह के उपरांत सभी जोड़ों का मैरिज रजिस्ट्रेशन भी कराया गया और गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक वस्तुएं भेंट की गईं। इस आयोजन के प्रेरक बने राजेश और रश्मि बाजोरिया, जिन्होंने अपने वैवाहिक जीवन की 25वीं वर्षगांठ को खास बनाने का संकल्प लेते हुए 25 कन्याओं के विवाह का पावन कार्य संपन्न कराया। इस पुनीत अवसर पर बाजोरिया दंपती ने कहा कि कन्या का विवाह कराने से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विवाह

की वर्षगांठ या अन्य शुभ अवसरों पर दिखावे और फिजूलखर्ची के स्थान पर ऐसे सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए, जो समाज के लिए उदाहरण बनें।

मंदिर के ट्रस्टी सुशील गोयनका, प्रदीप नैयर और सुभाष मुरारका ने बाजोरिया दंपती की सामाजिक प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने इस पहल को एक सकारात्मक उदाहरण बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों से समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

इस शुभ अवसर पर अनिल खेमका, मोहन जैन, मनोज केडिया, संतोष सराफ, नवीन अग्रवाल और विकास जयसवाल सहित कई मित्रों और शुभचिंतकों ने राजेश और रश्मि बाजोरिया को उनकी वैवाहिक 25 वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नंदिनी, कृष्णन, अभय उपाध्याय, मनोज नाथानी, सौरव मुरारका सहित बाजोरिया परिवार और अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बारुईपुर-लक्ष्मीकांतपुर रेल खंड में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन, यात्रियों को हुई परेशानी

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल के अंतर्गत आने वाले बारुईपुर-लक्ष्मीकांतपुर रेल खंड में बुधवार को कुछ लोगों द्वारा प्रदर्शन किया गया। जिस कारण ट्रेन आवाजाही प्रभावित हुई। प्रदर्शनकारियों ने ईएमयू लोकल ट्रेनों में सामान्य डिब्बे के अतिरिक्त आधे हिस्से को महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने के विरोध में यह आंदोलन किया। इस कारण दक्षिण बारासात, धपधपी और मथुरापुर रोड स्टेशनों पर रेल सेवाएं घंटों तक बाधित रहीं। रेल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला यात्रियों की संख्या उपनगरीय नेटवर्क में लगभग 25 प्रतिशत है और महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उनके लिए आरक्षित डिब्बों की संख्या बढ़ाई गई है। हाल ही में ईएमयू ट्रेनों में डिब्बों की संख्या 9 से बढ़ाकर 12 कर दी गई है, जिससे सामान्य यात्रियों के लिए भी अतिरिक्त जगह उपलब्ध हो पाई है। ऐसे में महिला डिब्बों की संख्या बढ़ाने का निर्णय पूरी तरह तार्किक और आवश्यक था। प्रशासन ने इस आंदोलन को अनुचित और सार्वजनिक हित के विरुद्ध बताया है। बुधवार की सुबह दक्षिण बारासात स्टेशन पर सुबह 7:33 से 9:45 बजे तक, धपधपी पर 8:15 से 9:30 बजे तक और मथुरापुर रोड स्टेशन पर 8:10 से 11:02 बजे तक ट्रेनों की आवाजाही में रुकावट पैदा की गई। इस कारण बारुईपुर-लक्ष्मीकांतपुर रेल खंड में करीब 17 लोकल ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कई ट्रेनें देर से चलीं।

Name Change

I,SHIV SEWAK SINGH (OLD NAME) S/O LATE SHIV PRATAP SINGH,RESIDING AT VILL-BARSAWAN,PO-KANDARAVAN,PS- UN-CHAHAR, DIST-RAEBARELI,UTTAR PRADESH,PIN - 229404,INDIA.HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS SHIV SEVAK SINGH (NEW NAME) AS DECLARED BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 16/04/2025.SHIV SEWAK SINGH (OLD NAME) AND SHIV SEVAK SINGH (NEW NAME) BOTH ARE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

भाजपा विधायकों ने मुर्शिदाबाद हिंसा में मारे गए हिंदुओं की याद में मनाया शहीद दिवस, मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद जिले में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान एक विशेष समुदाय के लोगों पर कथित अत्याचार के खिलाफ तख्तियां लेकर भाजपा विधायकों ने बुधवार को राज्य विधानसभा के निकट 'हिंदू शहीद दिवस' मनाया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने उन पिता-पुत्र के लिए भी न्याय की मांग की जिनकी पिछले सप्ताह मुस्लिम बहुल जिले में हिंसा के दौरान भीड़ ने हत्या कर दी थी। इस दिन, विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा के लगभग 40 विधायकों ने 'हिंदू हिंदू भाई भाई' जैसे नारे लगाए और 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद के सुती, शमशेरगंज, धुलियान और जंगीपुर इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा के लिए पुलिस और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान, शुभेंदु अधिकारी ने पिता-पुत्र की कथित तस्वीरें दिखाईं, जिनके शव शुक्रवार की दोपहर हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में मिले थे और शवों पर चाकू घोंपे जाने के कई घाव थे। इस दौरान, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पुलिस और प्रशासन ने उनके परिवार के सदस्यों की मदद की गुहार पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, क्योंकि जिहादियों की भीड़ ने उनके घरों को घेर लिया था। उनका एकमात्र अपराध यह था कि वे हिंदू थे। भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि वे किसी झड़प में नहीं मारे गए, क्योंकि यह पूरी तरह से एकतरफा था। उन्हें घसीटा गया और निर्मम तरीके से मार डाला गया। इलाके में टीएमसी के विधायक और सांसद इन मौतों के लिए जिम्मेदार हैं, क्योंकि उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में वोट बैंक की राजनीति के लिए इन तत्वों को संरक्षण दिया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने मुर्शिदाबाद दंगों और निर्दोष लोगों की मौत के लिए ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा हर साल इस दिन दिवंगत पिता-पुत्र की याद में 'हिंदू शहीद दिवस' मनाएगी। अधिकारी ने कहा कि अगले साल इस तुष्टीकरण वाली ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए हिंदुओं को एकजुट होना होगा। पूरे पश्चिम बंगाल में 'हिंदू शहीद दिवस' मनाने का आह्वान करते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि हम सभी भावनात्मक रूप से आहत और दुखी हैं। हम स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं, हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करेंगे लेकिन अत्याचारों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

❑ शुभेंदु ने मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए ममता को ठहराया जिम्मेदार, एनआईए जांच की मांग

राज्य की विपक्षी दल भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हाल में मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया और प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं करने पर सवाल उठाया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की मांग की और दंगों को लेकर मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि हम मुख्यमंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हैं, जो जेहादी तत्वों के हमलों से लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री हिंसा के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय एजेंसियों को दोषी ठहरा रही हैं, लेकिन वास्तव में उनकी पुलिस और प्रशासन हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहा तथा उत्पात जारी रहने दिया। दूसरी ओर, यह सीमा सुरक्षा बल ही था जिसने हस्तक्षेप किया और हालात को बिगड़ने से रोका। उन्हें (ममता) सच बोलने का साहस दिखाना चाहिए।

❑ शुभेंदु ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी से की बंगाल आने की अपील

वहीं, दूसरी ओर, शुभेंदु अधिकारी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बंगाल आने की अपील की। उन्होंने कहा कि बंगाल को यूपी की तरह ठीक करने की जरूरत है। वहीं, ममता ने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा भोगी' कह दिया। शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी।

ईडी ने कोलकाता से संचालित बांग्लादेशी हवाला रैकेट के सरगना को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो न केवल पासपोर्ट सहित फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों के साथ कोलकाता में रह रहा था, बल्कि अपने आवास से हवाला रैकेट भी संचालित कर रहा था। आरोपी का नाम मलिक ट्रेडिंग कॉरपोरेशन का मालिक आजाद मल्लिक है। उसे मंगलवार की देर रात नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास उसके आवास से गिरफ्तार किया गया, जो कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित है। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के जांच अधिकारियों ने पता लगाया है कि गिरफ्तार व्यक्ति ने पिछले साल हवाला के जरिए भारत से बांग्लादेश में 2.62 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए थे। उसे बुधवार को कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत में पेश किया गया। उस पर पीएमएलए की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि इससे पहले मंगलवार रात को ईडी अधिकारियों ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट समेत फर्जी भारतीय दस्तावेज मुहैया कराने वाले रैकेट के सरगना आलोक नाथ को भी गिरफ्तार किया था। उसे नदिया जिले के गेदे में बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की सुबह से ईडी अधिकारियों ने फर्जी पासपोर्ट मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की केंद्रीय एजेंसी की जांच के सिलसिले में कोलकाता, उत्तर 24 परगना और नादिया जिलों में कई जगहों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया।

आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत, एक महिला गंभीर रूप से घायल

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के रायदीघी थानांतर्गत इलाके में अचानक आए तूफान और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान जयंत मंडल (39) के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर जयंत मंडल खेत में धान उठा रहे थे और पास ही एक महिला रिश्तेदार भी मौजूद थीं। इस दौरान अचानक तेज तूफान और बारिश शुरू हो गई, जिसके साथ ही आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली की चपेट में आने से दोनों मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने उन्हें रायदीघी ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जयंत को मृत घोषित कर दिया। घायल महिला का अस्पताल में इलाज जारी है।

'आश्वस्त नहीं', डीजीपी से मुलाकात के बाद भी सुकांत मजूमंदार निराश

❑ केंद्रीय मंत्री ने पुलिस महानिदेशक से मिलने के लिए दो से अधिक समय तक मुर्शिदाबाद के बेघरों के साथ भवानी भवन के बाहर दिया धरना

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता मुर्शिदाबाद के बेघर लोगों के साथ बुधवार को राज्य पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार से मुलाकात की मांग पर भवानी भवन के सामने धरने पर बैठ गए। दो घंटे से अधिक समय तक धरने के बाद वे अंततः राजीव कुमार से मिलने में सफल हुए। हालांकि, सुकांत मजूमदार इस मुलाकात से बहुत खुश नहीं है। बता दें कि वक्फ मुद्दे पर अशांति के कारण मुर्शिदाबाद में कई लोग बेघर हैं। इस दिन, सुकांत उनमें से कुछ के साथ भवानी भवन गये। बताया गया कि मुर्शिदाबाद की घटना के बाद राज्य के डीजीपी ने इलाके का दौरा किया था। लेकिन उन्होंने किसी से मुलाकात या बातचीत नहीं की, चाहे वे बेघर हों या पीड़ितों के परिवार। इसलिए बुधवार को महानिदेशक को बेघर लोगों से मिलकर बात करनी होगी। हालांकि, सुकांत ने कहा कि महानिदेशक से मिलने के बाद वे व्यावहारिक रूप से निराश हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें पूछे गए सवालों के उचित जवाब नहीं मिले। महानिदेशक ने बेघर लोगों की शिकायतें भी सुनीं। लेकिन वह कुछ भी आश्वस्त करने वाली बात नहीं कह सके। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि वे कानून के अनुसार काम करेंगे। हालांकि, शुरू में सुकांत परिवार को बताया गया था कि 4 से अधिक प्रतिनिधियों को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन भाजपा ने साफ कर दिया है कि अगर यहां आने वाले हर प्रभावित व्यक्ति को अंदर नहीं आने दिया गया तो वे धरना जारी रखेंगे और किसी को भी अंदर नहीं आने दिया जाएगा। अंततः पुलिस ने सभी को अंदर जाने की इजाजत दे दी। इस दिन, सुकांत मजूमदार ने भवानी भवन के सामने खड़े होकर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। मुर्शिदाबाद में उन्हें शारीरिक रूप से परेशान करने की कोशिश की गई और जान से मारने की धमकियां दी गईं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी दावा किया कि अल्पसंख्यकों द्वारा हिंदू महिलाओं को गंदे प्रस्ताव दिए गए हैं।

केंद्रीय संस्थानों में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, एक गिरफ्तार

ठगी का जाल करोड़ों तक फैला होने की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय सरकारी संस्थानों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने का एक बड़ा मामला सामने आया है। काशीपुर की गन एंड शेल फैक्ट्री में नियुक्ति के नाम पर 16 लाख रुपये की ठगी का आरोप दो व्यक्तियों ने लगाया है। इस संबंध में पीड़ितों ने काशीपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह ठगी केवल दो लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि और भी कई नौकरी चाहने वाले इस गिरोह का शिकार हो चुके हैं। पुलिस को आशंका है कि ठगी की कुल राशि एक करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मृत्युंजय प्रसाद के रूप में हुई है। जो बारुईपुर का रहने वाला है। आरोप है कि उसने खुद को एक केंद्रीय संस्था का वरिष्ठ अधिकारी बताकर पीड़ितों से संपर्क किया और कोटे के तहत नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। इस बहाने उसने दोनों व्यक्तियों से कुल 16 लाख रुपये की राशि वसूल की। आरोपी ने न केवल झूठे वादे किए, बल्कि भरोसा दिलाने के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र और आईडी कार्ड भी प्रदान किए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद जब पीड़ित नौकरी जॉइन करने पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र पूरी तरह से नकली हैं। संबंधित संस्थान ने स्पष्ट रूप से बताया कि ऐसे किसी भी नियुक्ति की जानकारी उनके पास नहीं है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों का मानना है कि इस जालसाजी का दायरा और भी बड़ा हो सकता है और आने वाले दिनों में अधिक शिकायतें सामने आ सकती हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

नरमुंड लेकर घूमता नजर आया कुत्ता, इलाके में सनसनी

हुगली : पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चंडीतला के बेगमपुर इलाके में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज और विचित्र घटना सामने आई। स्थानीय लोगों ने एक कुत्ते को इंसान का कटा हुआ सिर मुंह में लेकर घूमते हुए देखा, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना सुबह करीब 9 बजे की है, जब चंडीतला के बेगमपुर 20 नंबर रेलगेट के पास स्थित एक बगीचे में लोगों ने यह भयावह दृश्य देखा। तुरंत ही स्थानीय लोगों ने कुत्ते को भगाया और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कामारकुंडू जीआरपी और चंडीतला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मानव सिर को बरामद किया। घटनास्थल से लगभग 300 फीट दूर हावड़ा-बर्दवान कॉर्ड लाइन रेलवे ट्रैक के पास तलाशी के दौरान एक धड़ भी बरामद हुआ।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मृतक किसी लंबी दूरी की ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहा था, और इसी दौरान रेलवे ट्रैक के किनारे लगे एक इलेक्ट्रिक पोल से टकरा गया। पोल पर खून के धब्बे भी मिले हैं, जो इस आशंका को बल देते हैं।

हालांकि, खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भय और चिंता का माहौल है।

'गृह मामलों की स्टैंडिंग कमेटी करे बंगाल का दौरा', मुर्शिदाबाद हिंसा पर सौमित्र खान का पत्र

नयी दिल्ली/कोलकाता : वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा को लेकर बांकुड़ा के भाजपा सांसद सौमित्र खान ने मांग की है कि गृह मामलों की स्टैंडिंग कमेटी पश्चिम बंगाल का दौरा करे। सौमित्र खान ने गृह मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल को पत्र लिखा है कि समिति जल्दी ही जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए राज्य का दौरा करे। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं मुर्शिदाबाद से उभरी हाल की गंभीर चिंताओं, विशेष रूप से स्थानीय हिंदू समुदाय को प्रभावित करने वाली चिंताओं के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करने और

कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं। सांसद ने कहा कि क्षेत्र में बचे लोगों की ओर से प्राप्त परेशान करने वाली रिपोर्टों और आरोपों के बारे में स्थायी समिति जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए तत्काल दौरा करे। उन्होंने कहा कि समिति का एक प्रतिनिधिमंडल समीक्षा करने के लिए मुर्शिदाबाद जाए ताकि वहां की वास्तविकता का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुर्शिदाबाद के एसपी को भी बुलाना चाहिए ताकि अब तक की गई छानबीन के बारे में विस्तृत रिपोर्ट ली जा सके। खान ने कहा कि राज्य पुलिस से पूछा जाए कि प्रदेश में बार बार हिंदुओं पर अत्याचार क्यों हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दौरे से दावों के पीछे की सच्चाई का पता लगाने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि न्याय और पारदर्शिता बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आपकानेतृत्व कानून के शासन में विश्वास बहाल करने और प्रभावित नागरिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

हावड़ा डिवीजन में ट्रैक रखरखाव कार्य के कारण बंडेल-कटवा लोकल की सेवाओं में आंशिक बदलाव

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा डिवीजन के बंडेल-कटवा खंड के डाउन मेन लाइन पर दैनहाट और धात्रिग्राम स्टेशनों के बीच ट्रैक रखरखाव कार्य के चलते रेलवे द्वारा 180 मिनट का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक लागू किया जा रहा है। यह ब्लॉक 16 अप्रैल से 5 मई तक गुरुवार और रविवार को छोड़कर कुल 14 दिनों के लिए बीच-बीच में प्रभावी रहेगा। इस संबंध में पहले जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में 37749/37748 बंदेल-कटवा-बंदेल लोकल ट्रेन की सेवा रद्द करने की जानकारी दी गई थी। अब उस निर्णय में आंशिक संशोधन करते हुए रेलवे ने 37749 बंदेल-कटवा लोकल ट्रेन को इन निर्धारित दिनों में धात्रिग्राम स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट और 37748 कटवा-बंदेल लोकल ट्रेन शॉर्ट ओरिजिनेट करेगा।

त्रिवेणी में हेरोइन तस्करी का भंडाफोड़, यूपी का तस्कर गिरफ्तार

हुगली : हुगली जिले के त्रिवेणी के शिबपुर इलाके में बुधवार दोपहर हेरोइन तस्करी के सौदे को विफल करते हुए ग्रामीण पुलिस की एस-ओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी काशीनाथ गुप्ता और हुगली के बांसबेड़िया निवासी विजय जयसवाल शामिल हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक कामनाशीष सेन के नेतृत्व में शिबपुर स्थित एक पुराने परित्यक्त रिफ्यूजी कैंप में जाल बिछाया गया था। सादी वेश में तैनात पुलिसकर्मियों ने सौदे के वक्त दोनों आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 208 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पूरी कार्रवाई एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में संपन्न हुई।

दोनों आरोपियों को चुंचुड़ा अदालत में पेश कर हिरासत में लिया गया है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है और नशा विरोधी अभियान को और तेज करने की बात कही है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष तृणमूल सांसद गोखले ने लक्ष्मी पुरी के साथ मुद्दे सुलझाने की जताई इच्छा

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष पूर्व राजनयिक लक्ष्मी मुर्देश्वर पुरी के साथ मुद्दों को सुलझाने की इच्छा व्यक्त की। मानहानि के इस मुकदमे में गोखले को माफी मांगने और 50 लाख रुपये का हर्जाना देने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव पुरी ने समझौते के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने पुरी और गोखले के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद गोखले की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें एक जुलाई, 2024 के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। एक जुलाई 2024 को उच्च

न्यायालय ने मानहानि के मुकदमे में गोखले को माफी मांगने और पुरी को 50 लाख रुपये का हर्जाना देने का निर्देश दिया था। गोखले के वकील ने आग्रह किया कि यदि वादी को नुकसान हुआ है तो अदालत उदार दृष्टिकोण अपना सकती है, इसकी भरपाई प्रतिवादी पर लागत लगाकर की जा सकती है। उन्होंने अनुरोध किया कि 50 लाख रुपये के हर्जाने का आदेश वापस लिया जाए क्योंकि उनके मुवक्किल के पास धन की कमी है। गोखले के वकील ने कहा कि आज उनके पास धन नहीं है, इसलिए यदि किसी भी राशि का भुगतान किए बिना किसी समझौते की संभावना है, तो मेरा मुवक्किल उस प्रस्ताव का लाभ उठाने के लिए तैयार है। हालांकि, पुरी ने समझौते के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और उनके वकील ने दलील दी कि गोखले ने बिना किसी आधार के उनके खिलाफ 'झूठी' बयानबाजी की। पुरी ने 2021 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए दावा किया कि गोखले ने जिनेवा में उनके (पुरी के) स्वामित्व वाले एक अपार्टमेंट के संदर्भ में वित्तीय मामलों को लेकर आधारहीन और झूठे आरोप लगाकर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने वक्फ मुद्दे पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से मिलने की ममता की सलाह को सराहा

कोलकाता, समाज्ञा : मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेताओं ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस सुझाव का स्वागत किया जिसमें उन्होंने उन्हें वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर अपनी आपत्तियां व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का समय मांगने के लिए कहा था।

अखिल भारतीय इमाम एसोसिएशन के प्रमुख मौलाना मो. बकीबिल्लाह मोल्ला ने ममता की सलाह को 'सकारात्मक' बताया और कहा कि वे जल्द ही राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलने के बारे में फैसला करने के लिए एक बैठक करेंगे। मोल्ला ने कहा कि हम जल्द ही इस मुद्दे पर एक बैठक करेंगे। हम लोगों से शांति बनाए रखने और कानून को अपने हाथ में नहीं लेने तथा किसी भी उकसावे पर ध्यान नहीं देने की अपील भी करते हैं। फुरफुरा शरीफ के मौलवी पीरजादा तोहा सिद्दीकी ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद में किसी भी हिंदू पर हमला नहीं हुआ और उन्होंने भाजपा पर आम लोगों को भ्रमित करने और हिंसा भड़काने के लिए गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री के प्रस्तावों का स्वागत करते हैं और हम इस अधिनियम के खिलाफ लड़ेंगे। हावड़ा जिला इमाम फंड के अध्यक्ष शेख मोहम्मद अयूब अली ने कहा कि हम जल्द ही राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय मांगने का फैसला करेंगे। हम आज की बैठक से खुश हैं और यह निश्चित रूप से वक्फ अधिनियम के खिलाफ लड़ाई में हमारी मदद करेगी।

पांच दशकों से जलजमाव की मार, सेवड़ाफुली अंडरपास बना लोगों के लिए जी का जंजाल

हुगली : हुगली जिले के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक, सेवड़ाफुली रेलवे स्टेशन के पास स्थित अंडरपास में पिछले 50 वर्षों से जलजमाव की समस्या बनी हुई है। यह अंडरपास, जो प्रतिदिन हजारों दोपहिया और चारपहिया वाहनों का मुख्य मार्ग है, अब एक गंभीर समस्या और खतरे का कारण बन चुका है।

सेवड़ाफुली न केवल एक प्रमुख थोक सब्जी मंडी और व्यावसायिक केंद्र है, बल्कि तारकेश्वर धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह मुख्य मार्ग है। इसके बावजूद, अंडरपास में नालों का गंदा पानी लगातार जमा हो जाता है, जिससे आवागमन बुरी तरह प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आधी सदी बीत जाने के बावजूद अब तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

❑ जीटी रोड और एनएच-2 को जोड़ता है अंडरपास

यह अंडरपास जीटी रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को जोड़ता है, और श्रीरामपुर, चांपदानी सहित आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए यह एकमात्र तेज़ और सुगम मार्ग है। एम्बुलेंस, स्कूल वैन, व्यापारिक वाहन और आम लोग प्रतिदिन इसी मार्ग से आवाजाही करते हैं। लेकिन गंदे पानी और जर्जर सड़कों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका हमेशा बनी रहती है।

❑ विधायक का आरोप: रेलवे और भाजपा की उदासीनता

चांपदानी के विधायक अरिंदम गुइन ने रेलवे और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, भाजपा सिर्फ़ हिन्दुत्व की राजनीति करती है, लेकिन जब राम नवमी, हनुमान जयंती या बंगाली नववर्ष जैसे पर्व आते हैं, तब श्रद्धालुओं को इसी अंडरपास से होकर मल-मूत्र युक्त पानी में चलकर जाना पड़ता है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अमानवीय है।

विधायक ने आरोप लगाया कि रेलवे को कई बार इस समस्या से अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। रेलवे 'अमृत भारत योजना' के तहत सिर्फ़ बड़े स्टेशनों के सौंदर्यीकरण पर ध्यान दे रहा है, जबकि आम जनता की बुनियादी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है।

❑ निस्तारिणी काली मंदिर तक भी कठिन सफर

विधायक ने यह भी बताया कि निस्तारिणी काली मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक जाने के लिए श्रद्धालुओं को इसी अंडरपास से होकर गुजरना पड़ता है, जो उनके लिए किसी यातना से कम नहीं।

❑ रेलवे की चुप्पी, लोगों में आक्रोश

अब तक रेलवे की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं निकाला गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

सोनिया, राहुल के खिलाफ आरोप पत्र के विरोध में कांग्रेस ने कोलकाता में ईडी के कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डब्ल्यूबीपीसीसी) के कार्यकर्ताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किए जाने के विरोध में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने ईडी की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे 'बदले की राजनीति' करार दिया। इस दिन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार के नेतृत्व में करीब 100 पार्टी सदस्य सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सामने एकत्र हुए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार गांधी परिवार को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है क्योंकि गांधी परिवार 'अलोकतांत्रिक और जनविरोधी' शासन के खिलाफ

लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ता जब सीजीओ कॉम्प्लेक्स के बंद गेट के सामने एकत्र हुए तब गेट पर तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई। शुभंकर सरकार ने आरोप लगाया कि उन पर और अन्य कांग्रेसियों पर सुरक्षा बलों ने हमला किया, लेकिन अधिकारियों ने इससे इनकार किया।

रैली में उपस्थित थे कमरुज्जमान कमर, अमिताभ चक्रबर्ती, तापस मजूमदारइधर, भोला यादव, रविन्द्र तिवारी, कालीनाथ सिंह, परवेज़ खान, विक्रम सिंह, राजनरायन मिश्रा, पंकज सोनकर, मो:हुसैन, ददन सिंह, गजेंद्र चौबे, अंजनी दुबे, संजीव शर्मा, ओमप्रकाश जायसवाल, आकिब जहूर, अनुज कोचर, विनोद दुबे, मो:फुरकान, शम्मी तिवारी, अंजित, सोनू, कुणाल चतुर्वेदी व अन्य सैकड़ों कार्यकर्तागण।

उच्च रक्तचाप से बच कर रहें

नीतू गुप्ता

अनियमित खान पान, रहन सहन, तनाव तथा शारीरिक श्रम बिलकुल नहीं करने से उच्च रक्तचाप रोगियों की मात्रा काफी तेजी से बढ़ रही है। वैसे तो उच्च रक्तचाप अब आम बीमारी बनती जा रही है। बड़ी उम्र के साथ-साथ अब बच्चों में भी उच्च रक्तचाप पाया जाने लगा है।

उच्च रक्तचाप की गिरफ्त में एक बार आने से उसमें से निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है। यदि आप भी इसकी चपेट में आ गए हैं तो समय रहते ही डॉक्टर से निर्देश लें और उनके बताए नियमों का पालन कर उच्च रक्तचाप पर काबू पाएं।

उच्च रक्तचाप के साथ शरीर अन्य कई बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है जैसे हृदय रोग, पक्षाघात आदि। अपने रक्तचाप को सामान्य रखने हेतु अपनाएं कुछ तरीके:-

❒ खाने में नमक की मात्रा बहुत कम कर दें। खाने के साथ चटनी, अचार, पापड़ का सेवन न करें ताकि नमक की मात्रा पर काबू पाया जा सके।

❒ भोजन में शाकाहारी भोजन का सेवन करें। लाल मांस हृदयरोग और उच्च रक्तचाप को बढ़ावा देता है। अंडा भी खाएं तो केवल अंडे की सफेदी ही खाएं। उसका पीला भाग प्रयोग में न लाएं।

❒ धूम्रपान, काफी, शराब का सेवन रक्तचाप को बढ़ाता है क्योंकि ये चीजें उत्तेजना पैदा करती हैं। इनके सेवन से परहेज रखें।

❒ अपने मोटापे पर नियंत्राण रखें। अपना वज़न आयु और कद के अनुरूप रखें।

❒ भोजन पौष्टिक और सादा खाएं। भोजन में कैल्शियम, मैग्नीशियम व पोटेशियम की उचित मात्रा लें।

❒ तनाव न पालें। मन शांत रखें। प्रतिदिन प्रातः शाम सैर अवश्य करें।

❒ उच्च रक्तचाप लगातार रहने पर चिकित्सक से परामर्श कर उचित दवा का नियमित सेवन करें। (स्वा.द.)

बच्चों के लिए जहर बन रहे हैं शहर

विकास मानव

औसतन शहरी गर्भवती माताओं का वजन ग्रामीण माताओं से कम होता है। अमूनन शहरी शिशुओं की लंबाई और वजन ग्रामीण शिशुओं से ज्यादा होता है। इसे यूं तो अच्छा ही माना जाना चाहिए लेकिन पेच यह है कि शहरी शिशुओं की गर्भनाल में जो माता का खून होता है, उसमें एक रसायन पाया जाता है जो प्रदूषण की वजह से बनता है। इसे जेन-ोइस्ट्रोजन कहते हैं।

जेनोइस्ट्रोजन अपनी रासायनिक संरचना में महिलाओं में पाए जाने वाले हारमोन इस्ट्रोजन जैसा ही होता है। यह जेनोइस्ट्रोजन बच्चे के खून में पहुंचकर उसकी लंबाई, वजन व थुलथुलेपन में इजाफा करता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रैनाडा, स्पेन के शोध में स्पष्ट किया गया है कि जो बच्चे शहरों में पैदा होते हैं और पलते बढ़ते हैं उन्हें कई तरह की शारीरिक व मानसिक बीमारियां होने की आशंका 75 प्रतिशत अधिक रहती है। इनमें आर्थराइटिस, कैंसर, दमा और हृदय रोग जैसी खतरनाक बीमारियां भी शामिल हैं। उन्होंने पाया है कि इन हालातों की शुरूआत गर्भावस्था से ही हो जाती हैं।

सभ्यता के आरंभ से ही प्रवास की दिशा गांवों से शहरों की ओर रही है। औद्योगिक क्रांति से शहरीकरण की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। अब बच्चों के लिए जहर का कहर बरपाने लगे हैं शहर। जेन-ोइस्ट्रोजन रसायन की वजह से बच्चे में मोटापा और असमय में यौनिक विकास जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं ये समस्याएं वयस्क होने पर तमाम बीमारियों की वजह बनती हैं।

जी हां, जेनोइस्ट्रोजन बच्चों के विकास को जरूरत से ज्यादा तेज कर देता है। अमेरिका में हुए एक शोध में पाया गया है कि किंडरगार्टन स्तर के बच्चों में से 40 फीसदी थुलथुलेपन की सीमा रेखा पर थे। सामान्य वजन की एक ऊपरी और एक निचली सीमा होती है। शोध में यह पाया गया है कि इन बच्चों का वजन मोटापे की परिभाषा में नहीं आता था लेकिन सामान्य की जो ऊपरी सीमा है, वहां पर था अर्थात जरा भी वजन और बढ़ा तो बच्चों को मोटापे की गिरफ्त में आने में देर नहीं लगेगी यानी किशोरावस्था तक आते-आते अधिकांश का मोटापे की गिरफ्त में आना तय है।

किशोरवय में ब्लड प्रेशर, हाईपरटेंशन, हृदय रोग एवं सैक्सुअलिटी की पराकाष्ठा की यही वजह है। विकसित देशों में 14 वर्षीय किशोरों में हृदयाघात और यौनिक क्रियाओं की अधिकता की जो सूरतें नजर आ रही हैं वे त्रासदपूर्ण हैं। इनमें बहुत बड़ी भूमिका जीवन-शैली की भी है। फास्ट फूड की भरमार और व्यायाम का अभाव भी जिम्मेदार बनता है।

शोध यह भी बताते हैं कि बच्चे की सेहत के लिए घर से बाहर धूल मिट्टी में खेलना अत्यंत आवश्यक है। आजकल बस्ते का बोझ, ट्यूशन, टीवी और हॉबी क्लासेज के बीच बच्चों को दोस्तों के साथ थोड़ा खेलने का मौका भी नहीं मिलता। इंटरनेट की लत बचा खुचा समय भी चट कर जाती है। यह भी देखा गया है कि शहर के प्रदूषक तत्व बच्चों में इंसुलिन और खून में शक्कर के ऊंचे स्तर पैदा कर देते हैं जो आगे जाकर डायबिटिज में बदल जाता है।

इन सब बातों के मद्देनजर ग्राम्य जीवन याद आता है लेकिन शायद वह रास्ता बंद हो चुका है। जो लोग शहरों में हैं, वे वापस नहीं जा सकते और रोजगार तथा सुविधाभोगिता के लिए गांवों से लोग शहरों की ओर आते रहेंगे। इसलिए यह यत्न जरूर होना चाहिए कि शहरों में प्रदूषण कम हो। हवा पानी साफ हो ताकि हमारी अगली पीढ़ियां स्वस्थ रहें। हम अपनी ओर से भी स्वस्थ जीवन-शैली अपनाएं जो जहर हमें अनिवार्य रूप से मिल रहा है, उसके असर में हमारी ओर से इजाफा न हो। (स्वा.द.)

बने रहें नाजुक गुलाबी होंठ

सुदर्शन चौधरी

चेहरे की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं नाजुक-गुलाबी होंठ। अगर इनकी देखभाल हर मौसम में न की जाए तो यही होंठ भद्दे लगेंगे और इससे चेहरा भी प्रभावित होगा। अपने चेहरे की सौम्यता बरकरार रखने के लिए होंठों पर भी पूरा ध्यान दें।

क्या करें -

◆ मक्खन में जायफल घिस कर होंठों पर लगाएं। होंठों की चमक बनी रहेगी।

◆ होंठों को फटने से बचाने के लिए रात्रि को सोने से पहले दूध की ताजी मलाई लगाएं या ताजा मक्खन।

◆ अपने खाने-पीने पर विशेष ध्यान दें। दूध-फल और सीमित चिकनाई का सेवन नियमित करें।

◆ फटे होंठों पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगा कर सोएं लाभ मिलेगा।

◆ टमाटर के रस में चिकनाई मिलाकर होंठों पर लेप करने से होंठ चिकने रहेंगे और उनकी लाली भी बरकरार रहेगी।

◆ होंठों के व्यायाम के लिए हंसना अति आवश्यक है। होंठों में कंपन करते हुए दिन में पांच से छः बार अवश्य मुस्कुराएं।

◆ गुलाब की एक दो पत्ती पीस लें। उसे मलाई में मिलाकर होंठों पर लगाएं. होंठ गुलाब की पंखुड़ी की तरह नाजुक, गुलाबी और खिले रहेंगे।

◆ होंठों की चमक बरकरार रखने के लिए बादाम की गिरी घिस कर रात्रि में सोते समय होंठों पर लगाएं।

◆ रात्रि में मेकअप साफ करते समय होंठों से लिपस्टिक साफ करना न भूलें।

क्या न करें -

◆ हर समय होंठों पर लिपस्टिक की लेयर लगाकर न रखें। होंठ काले पड़ जाते हैं।

◆ डार्क कलर की लिपस्टिक का प्रयोग न करें।

◆ सस्ती लिपस्टिक का प्रयोग न करें। होंठों पर बार-बार जीभ न फिराएं इससे होंठ फटेंगे और मोटे भी होंगे।

◆ बात करते समय होंठों को टेढ़ा मेढ़ा कर बात न करें। इससे होंठ फट सकते हैं।

◆ होंठों को दांतों से न चबाएं ऐसा करने से भी होंठ कट सकते हैं।

◆ अधिक चाय-कॉफी, धूम्रपान का सेवन न करें। होंठ बहुत काले हो जाएंगे। (स्वा.द.)

पुरूषों के सात शत्रु

सीतेश कुमार द्विवेदी

पुरूष एवं गृहस्थ आश्रम को सभी आश्रमों का आधार बताया गया है। शक्तिशाली पुरूष की सेहत के सात शत्रु हैं। बीमारी की बात करें तो बड़े से बड़ा बलशाली पहलवान भी डेंगू, मलेरिया, टायफाइड आदि बुखार एवं दस्त, पेचिश, आंत्राशोथ, अतिसार जैसी बीमारी के सामने पस्त हो जाता है। इन बीमारियों का पता चल जाने पर इनको काबू में किया जा सकता है किंतु सात ऐसी बीमारियां हैं जो पुरूषों की सेहत को खोखला कर देती हैं। ये एक बार हो जाएं तो इनसे पीछा छूटना कठिन हो जाता है।

बीपी एवं हृदय रोग

हायपरटेंशन, ब्लड प्रेशर एवं हार्ट प्रॉब्लम पुरूषों के लिए अब सामान्य बीमारी हो गई हैं। यह आधुनिक जीवनशैली एवं खानपान की नई संस्कृति के कारण तेजी के साथ विस्तार पा रही हैं। दुनियां के आधे युवा एवं पुरूष इसकी चपेट में हैं। पहले यह बड़ों की बीमारी थी जो अब कम उम्र के युवाओं तक को देखने के मिल रही है। इसे खानपान एवं जीवनशैली में सुधार कर तथा दवा के सहारे नियंत्रित रखा जा सकता है किंतु खतरा बना रहता है।

टाइप-टू डायबिटिज

डायबिटिज के मामले में विश्व की राजधानी बनते जा रहे भारत में टाइप-टू श्रेणी के डायबिटिज के मरीज ज्यादा हैं। इनमें पुरूषों की संख्या अधिक है। खानपान, आराम पसंद जिंदगी एवं साधन-सुविधा के कारण इसके रोगी लगातार बढ़ रहे हैं। यह भी खानपान एवं जीवनशैली में सुधार कर श्रम पूर्ण जिंदगी एवं दवा अपनाकर काबू में रखा जा सकता है। फिर भी मधुमेह का खौफ कायम रहता है।

प्रोस्टेट प्रॉब्लम

पुरूषों को पौरूष ग्रंथि की समस्या एवं प्रोस्टेट कैंसर होता है। यह बीमारी

अब 40 वर्ष की उम्र के बाद पुरूषों में देखने को मिल रही है। व्यायाम एवं दवा से इसे कुछ सीमा तक काबू में लाया जा सकता है किंतु उनकी तकलीफ बनी रहती है।

एचआईवी/ एड्स

आधुनिक जीवन की नवीन खतरनाक बीमारियों से एच आई वी/एड्स प्रमुख है। यह अब तक दवा एवं उपचार से काबू में नहीं लाया जा सकी है। यौन संक्रमण की यह बीमारी अनेक माध्यमों से फैल रही है। दवा से मरीज को कुछ दिन और जीवित रखा जा सकता है किंतु उसे बचाया नहीं जा सकता है। जागरूकता एवं सावधानी ही सबसे सुरक्षित उपाय है।

सांस से संबंधित बीमारियां

खांसी, अस्थमा एवं सांस से संबंधित बीमारियां पुरूषों को अधिक होती है। तंबाकू, धूम्रपान, धूल, धुआं एवं प्रदूषण इसके मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इनसे बचाव कर कुछ सीमा तक दवा से राहत पायी जा सकती है।

चिंता, तनाव, अवसाद

आज के पुरूष को दैनिक चिंता, तनाव एवं अवसाद सबसे ज्यादा परेशान करता है। यह उसे नशे का आदी बनाता है एवं उसकी कार्य क्षमता व शारीरिक क्रिया को प्रभावित करता है। यह बीपी, हृदय रोग, मधुमेह एवं सांस संबंधित परेशानी को बढ़ाता है। इनसे बचने के लिए हंसी एवं हॉबी को अपनाएँ। परिजन, मित्रा एवं प्रकृति के साथ कुछ पल बिताएँ। मानसिक दबाव से बचें।

खामोश या मुखर

पुरूष या तो खामोश रहता है या मुखर हो जाता है। दोनों ही उसे बीमार बनाते हैं। मुखर या खामोश रहने की अपेक्षा सहज एवं सामान्य रहें। जरूरत पड़ने पर बोलें अन्यथा खामोशी अपनाएं। (स्वा.द.)

दुर्गा प्रसाद शुक्ल 'आजाद'

स्वस्थ रहिये और मस्त रहिये

सच ही कहा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक करने में सक्षम होते हैं। बीमार व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होता है और किसी भी कार्य को पूर्ण करने में अक्षम होता है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो शारीरिक क्षमता और दिमाग का सदुपयोग करते हैं और दृढ़ इच्छा शक्ति रखते हैं।

वर्तमान समय को हम मशीनीकरण का दौर कह सकते हैं। इस मशीनीकरण के दौर में हर कोई एक मशीन की भांति बिना रूके चलना चाहता है। अपनी मंजिल पाने के लिए हमारी सम्पूर्ण जीवन शैली पूरी तरह से व्यवसायीकरण की गिरफ्त में है। इस प्रकार की जीवन शैली के आवरण से निकलना और स्वतंत्रा रूप से सोचना थोड़ा मुश्किल हो गया है।

आज जिस ढर्रे पर हम और आप चल रहे हैं, उस ढर्रे से हटकर चलने में हम और आप थोड़ा असहज और असुरक्षित महसूस करते हैं परन्तु यदि आपके अंदर आत्म विश्वास होगा तो एक ही ढर्रे पर चल रही जिन्दगी में बदलाव लाने में किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऐसा आत्मविश्वास लाने के लिए आपका स्वास्थ्य एवं मस्तिष्क महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वस्थ मस्तिष्क आपको सफलता पाने के लिए उत्प्रेरित करेगा एवं सही रास्ते पर जाने के लिए उत्साहित करेगा।

आपका सही मार्गदर्शन एवं सकारात्मक सोच आपकी सफलता की पहली कड़ी है क्योंकि सफलता के मार्ग में पड़ने वाली छोटी-मोटी बाधाओं को पार करने के लिए आप की सकारात्मक सोच ही आपकी मदद करती है। स्वस्थ मस्तिष्क, सकारात्मक सोच, सही दिशा में प्रयास और अपने बनाये रास्ते पर चलने की हिम्मत, यह सब निर्भर रहता है आपके स्वास्थ्य पर। स्वस्थ शरीर आपको चुस्त-दुरूस्त रखता है और आपके दिमाग को तरो-ताजा।

हम यह अक्सर महसूस करते हैं कि जब हम शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होते हैं तो हमारा दिमाग तेजी से काम करता है और हमारे मस्तिष्क में नये-नये विचार आते हैं। इन्हीं विचारों और तेज दिमाग में आपकी सफलता छुपी रहती है, बस आपको इन्हीं विचारों और अपने दिमाग का उपयोग कर अपनी सफलता की राह आसान करनी है।

अक्सर हम अपनी पढ़ाई लिखाई और गहन अध्ययन से यह भूल जाते हैं कि हमारे दैनिक क्रिया-कलापों में शारीरिक व्यायाम, खेलकूद, घूमना-फिरना या टहलना कितना आवश्यक है। केवल पढ़ाई लिखाई ही सफलता का पैमाना नहीं होती है। क्षमता से अधिक अध्ययन दिमाग पर बुरा प्रभाव डालता है और अपने अन्दर मानसिक विकार पैदा हो सकता है।

आपका शरीर अगर पूर्ण रूप से कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार है तो आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने शरीर को स्वस्थ रखने पर ध्यान दें और पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, व्यायाम आदि के लिए भी थोड़ा समय अवश्य निकालें।

ध्यान देने के बिन्दुः- पढ़ाई लिखाई और खेलकूद एवं व्यायाम के लिए नियमित दिनचर्या बनायें।

सप्ताह के सातों दिनों को इस प्रकार प्रयोग करें कि आपकी तैयारी और अध्ययन पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। मानसिक और शारीरिक आराम के लिए अपनी भावुकता और गुस्से पर नियंत्राण रखें। ये दोनों पक्ष घातक सिद्व हो सकते हैं एवं आपको मानसिक तथा शारीरिक दोनों तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं।

प्रतियोगी परीक्षा के समय अपने खान पान कर विशेष ध्यान दें। पौष्टिक आहार, मौसमी साग, सब्जियों और फलों का सेवन करें।

आपकी दिनचर्या से थोड़ा समय निकाल कर योग और ध्यान को दें। यह मस्तिष्क एवं शरीर दोनों को नियंत्रित करता है। (स्वा.द.)

आलिंगन में निहित हैं उपचार के तत्व

सीताराम गुप्ता

कई लोग अपने मित्रों अथवा परिचितों से बड़ी गर्मजोशी से मिलते हैं। अच्छी तरह से हाथ मिलाते हैं अथवा गले मिलते हैं। कई लोग हाथ मिलाने की बजाय कुछ उंगलियां आगे कर देते हैं और वो भी इस तरह से जैसे उनकी उंगलियां टूटी हुई हों या वे मनुष्य न होकर रोबोट हों। अभिवादनस्वरूप जो शब्द बोलेंगे, वो भी एकदम सपाट लहजे में बिना किसी स्नेह व आत्मीयता के। इससे रिश्तों में ताज़गी व स्थायित्व नहीं रह पाता और संबंध मृतप्राय होने लगते हैं।

जब भी दोस्तों व परिचितों से मिलें, गर्मजोशी से मिलें। आयु के अनुसार प्यार व सम्मान के साथ अभिवादन के शब्द बोलें। समवयस्कों से गले मिलें और बच्चों को गोद में ले लें, इससे अच्छी तो कोई बात हो ही नहीं सकती क्योंकि जादू की झप्पी देना अथवा आलिंगनबद्ध होना या किसी को अपनी बांहों में भर लेना अभिवादन का आत्मीय तरीक़ा ही नहीं अपितु एक अत्यंत सुखद अनुभूति व एक अप्रतिम स्वास्थ्यवर्धक एवं उपचारक प्रक्रिया भी है। पाश्चात्य जगत में तो एक कहावत ही प्रचलित है कि जो रोज़ आलिंगन करता है, वह हमेशा तनावमुक्त व स्वस्थ रहता है।

हम किसी को अपनी बांहों में तभी अच्छी प्रकार से लेते हैं जब हम अतिशय प्रेममय होते हैं और जब हम किसी को आलिंगनबद्ध करते हैं अथवा हमें कोई अपने आगोश में लेता है तो भी हम प्रेममय होने लगते हैं। हमारी बॉडी कैमिस्ट्री परिवर्तित होने लगती है। यदि वह आलिंगन अर्थपूर्ण है और उससे हमें प्रसन्नता मिल रही है तो हमारे शरीर में लाभदायक हॉर्मोंस का उत्सर्जन प्रारंभ हो जाता है। इसका विपरीत भी उतना ही सही है। यदि कोई व्यक्ति द्वेष अथवा कपट के वशीभूत होकर किसी का आलिंगन करता है तो सामनेवाले का रोम-रोम सुलग उठता है जिससे उसके शरीर में लाभदायक की बजाय तनाव उत्पन्न करनेवाले हॉर्मोंस का उत्सर्जन प्रारंभ हो जाता है जिससे वो बेचैनी का अनुभव करने लगता है और फ़ौरन प्रतिरक्षात्मक स्थिति में आ जाता है।

एक मां अपने बच्चे को विशेष रूप से छोटे बच्चे को दिन में न जाने कितनी बार अपनी बांहों में भरती है, कितनी बार उसे अपनी छाती से लगाकर थपथपाती है। इस आलिंगन का आनंद एक मां ही अनुभव कर सकती है दूसरा कोई नहीं। बच्चा भी मां की गोद में, उसके

आलिंगन में न केवल सुरक्षित अपितु आनंदित भी अनुभव करता है। जो बच्चे चलना सीख जाते हैं और सरपट दौड़ते हैं वो भी अपनी मां की गोदी अथवा उसके आलिंगन में आने के लिए मचलते रहते हैं। इसका एक ही कारण है और वो ये कि वे आलिंगनबद्ध होकर प्रसन्नता के सागर में गोते लगाने लगते हैं। बच्चा चोट, भूख, दर्द अथवा अन्य किसी भी कारण से कितना ही क्यों न रो रहा हो बस एक बार उसे अपने आलिंगन में ले लीजिए वो सब कुछ भूलकर सामान्य हो जाएगा और जल्दी ही हंसने-मुस्कुराने लगेगा। ये आलिंगन का ही प्रभाव होता है।

आलिंगन की प्रक्रिया मां और बच्चे दोनों को न केवल प्रसन्नता व बच्चे को भावनात्मक सुरक्षा व सबलता प्रदान करने में सक्षम है अपितु दोनों को अच्छा स्वास्थ्य व रोगमुक्ति प्रदान करने में भी सहायक होती है। इन क्षणों में दोनों के शरीरों की अतःस्रावी ग्रंथियों में जो रासायनिक परिवर्तन होता है वो उनके शरीर की रोगावरोधक प्रणाली को सुदृढ़ करने में सक्षम होता है जिससे दोनों ही स्वस्थ रहते हैं और किसी भी रोग की स्थिति में शीघ्र रोगमुक्त हो जाते हैं। जो मां या बच्चे आलिंगन के विभिन्न रूपों के इन अद्भुत प्रसन्नतादायक व आरोग्यवर्धक अनुभवों से वंचित रह जाते हैं उनके जीवन में इन अभावों की पूर्ति अन्यत्रा संभव ही नहीं। मां की कोमल बांहें हों अथवा पिता की मज़बूत भुजाएं या फिर दादा-दादी व नाना-नानी के आत्मीयतापूर्ण नाज़ुक हाथ, इन सभी में निहित होता है पूर्ण सुरक्षा का अहसास व आनंद का परस्पर आदान-प्रदान। इन क्षणों की उपेक्षा करना भी अस्वास्थ्यकर है।

विभिन्न आधुनिक शोधों से भी ज्ञात होता है कि आलिंगन का हमारे हृदय, मस्तिष्क व दूसरे अंगों पर दीर्घकालीन आरोग्यकारी प्रभाव पड़ता है। प्रतिदिन बीस सेकेंड का आलिंगन व्यक्ति को मानसिक रूप से सक्रिय व चुस्त-दुरुस्त रखने और हृदय की बीमारियों से बचाने में काफ़ी हद तक कारगर होता है। आलिंगन से व्यक्ति में इंफेक्शन का मुक़ाबला करने की शक्ति बढ़ती है। विभिन्न प्रकार के तनावों के स्तर को संतुलित रखने व अवसाद को रोकने में आलिंगन बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। परोक्ष रूप से आलिंगन व्यक्ति की स्मरण शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी मददगार होता है। प्रश्न उठता है कि आलिंगन तनाव को कैसे कम करता है और इससे उसकी स्मरण शक्ति कैसे ठीक रहती है?

वास्तव में आलिंगन के दौरान जो आनंदानुभूति होती है उससे हमारी पीयूष ग्रंथि से ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन पर्याप्त मात्रा में निकलकर हमारे रक्त में मिल जाता है जो शरीर में तनाव उत्पन्न करने वाले दूसरे हार्मोंस के दुष्प्रभाव को निष्क्रिय बना देता है। इस प्रकार हम न केवल तनाव से बचे रहते हैं अपितु निरंतर तनावमुक्त व शांत रहने के कारण अपनी याददाश्त को भी ठीक रख पाते हैं। आलिंगन करने से न केवल हृदय की धड़कनों व रक्तदाब को कम करने में सहायता मिलती है अपितु सर्दी-ज़ुकाम जैसी व्याधियों में भी आराम मिलता है। हमारे शरीर की एड्रिनल ग्रंथि से स्रावित होने वाला हार्मोन कार्टिसोल एक तनावप्रदायक हार्मोन है जो उच्च रक्तचाप, अस्थिभंगुरता, दुश्चिंता, अवसाद व स्थूलकायता तक के लिए उत्तरदायी होता है।

इन स्थितियों अथवा व्याधियों से बचने के लिए खानपान पर नियंत्राण, व्यवस्थित जीवनशैली, व्यायाम व चिकित्सक द्वारा उपचार अपेक्षित है लेकिन जो व्यक्ति आलिंगन से दूर नहीं भागते उन्हें उपरोक्त व्याधियों से अधिक नहीं जूझना पड़ता। तनाव उत्पन्न करने वाले किसी भी हार्मोन के दुष्प्रभाव से मुक्ति पाने व अपने को स्वस्थ रखने के लिए आलिंगन एक प्रभावशाली क्रिया है। मनोवैज्ञानिक व पारिवारिक चिकित्सक वर्जीनिया सैटिर कहती हैं कि हमें अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए प्रतिदिन चार बार, अपने रख-रखाव के लिए प्रतिदिन आठ बार व अपनी वृद्धि के लिए प्रतिदिन बारह बार आलिंगन करना चाहिए। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम जितनी ज़्यादा बार आलिंगन करते हैं, वह हमारे हित में होता है। आलिंगन बहुत काम की चीज़ है लेकिन आलिंगन से पूर्व हमें हर प्रकार की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए और पूर्णतः सात्विक भाव के साथ किसी को अपने बाहुपाश में लेना चाहिए।

संबंधों के निर्माण व उनमें माधुर्य व विश्वसनीयता उत्पन्न करने में भी आलिंगन का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। किसी के गले लगकर अथवा उसे अपनी बांहों में भरकर उसका अभिवादन करके हम अपरिचितों को भी अपने अधिक निकट आने के लिए तैयार कर लेते हैं। कुछ लोग इस कला में निष्णात होते हैं और इसकी बदौलत अपेक्षाकृत सुखी जीवन व्यतीत करते हैं। हम जब तक परस्पर आलिंगन करने में संकोच करते रहते हैं हमारे संबंधों में औपचारिकता ही बनी रहती है जिससे प्रगाढ़ता नहीं आ पाती।

बच्चे हों या युवा, स्त्री हो या पुरुष, आलिंगन अथवा जादू की झप्पी सबको प्रसन्नता व आरोग्य प्रदान करने में सक्षम है। एक अत्यंत भयभीत बच्चे अथवा किसी बड़े को आलिंगनबद्ध कर लीजिए और देखिए कि कैसे वो फ़ौरन भयमुक्त व स्वस्थ हो जाता है। यदि हम स्वयं को किसी के आलिंगन के योग्य भी बना लेते हैं तो यह भी जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि ही है। (स्वा.द.)

क्या आप पाइल्स की पीड़ा से परेशान हैं?

विजेन्द्र कोहली

कहते हैं कि हम बीमार नहीं होते अपितु रोगों को निमंत्रण देते हैं। शरीर और मन बीमारी को बुलाते हैं। गलत खानपान, दिनचर्या, जीवन शैली व रहन सहन हमें रूग्णता की तरफ ले जाते हैं। हमारी 80 प्रतिशत बीमारियां स्वयं की पैदा की हुई होती हैं।

आजकल फास्ट फूड, जंक फूड व मांसाहारी भोजन कब्ज के जनक हैं और कब्ज बवासीर (पाइल्स) की जन्मदात्री है। वैसे कब्ज सब बीमारियों की जड़ है। कब्ज की पहली बेटी बवासीर, दूसरी सन्तान सिरदर्द, सुस्ती, अपाच्य, गैस, अफारा, भूख न लगना है।

पाइल्ज क्या है- कब्ज के कारण कड़े मल के कारण रैक्टम में जख्म हो जाते हैं। वे रिसते हैं तथा मलद्वार में से रक्तस्राव होता है। बैठने में असुविधा होती है। अनियमित खान पान और जो मिला, वही खा लिया, सलाद, रेशेदार भोजन की कमी, कब्ज और अर्श की जन्मदात्री हैं।

अर्श का गुदा- दर्द आदमी को अर्श से फर्श पर ले आता है। बैठना लेटना दूभर हो जाता है। वसायुक्त, तले पदार्थ, ज्यादा नानवेज उदर विकार करते हैं। गुदा की रक्तवाहिनियां एक गुच्छा बना लेती हैं। इसे मस्सा भी कहते हैं। शौच की हाजत को रोकने से, ज्यादा देर तक सख्त आसन पर बैठने से भी बवासीर रोग हो जाता हैं। इसका दर्द रोगी ही जानता है। असहनीय दर्द से रोगी कराहता है।

पाइल्स, अर्श, बवासीर सभी एक रोग के नाम हैं। यह एक कष्टदाई दुःखदाई रोग है। हम भोजन खान पान की परवाह किए बिना दुकानों, खोमचों पर जो मिला खा लेते हैं जिससे पाचन शक्ति प्रभावित होती है और हम कब्ज से पीड़ित हो जाते हैं।

कुछ सावधानी, पथापथ्य, खानपान व दिनचर्या में परिवर्तन एवं जागरूकता द्वारा हम रोग मुक्त हो सकते हैं।

■ मल त्याग की भावना को कभी रोकें नहीं। पूर्ण समय लगा कर पूर्ण सफाई रखें। पानी ज्यादा पिएं। भोजन को चबा-चबा कर खाएं।

■ भोजन से पहले ज्यादा सलाद खाएं। सलाद में मूली, गाजर, प्याज, और फलों प्रयोग करें।

■ लस्सी, मट्ठा नमक, कालीमिर्च डालकर पिएं। दही ज्यादा खाएं।

■ पालक, साग, मेथी, मूली, और शलगम की सब्जी प्रयोग करें।

■ पपीता, आम, अमरूद कब्ज, बवासीर के लिए घातक हैं।

■ मल वेग के आवेग से तुरंत मुक्त हों। बथुआ, चौलाई, मौसमी फल सब्जी खाएं। हरी सब्जियां आंतड़ियों में फंसा अन्न निकाल फेंकती हैं।

■ आहार का दमन रोगों का शमन करने में सहायक रहता है। रोग को शुरू से ही पकड़ लें नहीं तो यह आपको पकड़ लेगा जिससे छूटना मुश्किल होगा।

■ गर्म दूध के साथ च्यवनप्राश, ईसबगोल या त्रिफला नित्य ले कर चिरंजीवी बनें।

■ खान पान का ध्यान रोगमुक्ति सूत्रा है। मिठाई, नानवेज, तले पदार्थ, फास्टफूड और गरिष्ठ भोजन वर्जित हैं। इलाज से परहेज बेहतर है।

■ चिकित्सक की राय से क्षारसूत्र चिकित्सा,जैली प्रयोग, बर्फ सेंकन, कटिस्नान, औषधि सेवन लाभदायक हो सकते हैं परन्तु परहेज, जिन्दगी को स्वस्थ रखता है। परहेज सचमुच इलाज से बेहतर है क्योंकि निमंत्राण तो रोगों को हम स्वयं ही देते हैं।

■ ईसबगोल का छिलका प्रातः खाएं। दूध, शर्बत या पानी से लगातार दो मास तक लें। कब्ज के दुश्मन बन जाएं क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य का दुश्मन है।

■ हाट वाटर टब में कटि स्नान करें अर्थात मल द्वार डुबोए रखें। इससे रैक्टम के जख्मों को राहत मिलती है और दर्द भाग जाता है। (स्वा.द.)

न्यूज इन ब्रीफ

ईडी ने महादेव सट्टेबाजी मामले में कई राज्यों में छापे मारे

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में बुधवार को 'ईजमाईट्रिप' के संस्थापक निशांत पिट्टी के परिसरों सहित कई राज्यों में फिर से छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और ओडिशा के संबलपुर में स्थित परिसरों पर छापे मारे जा रहे है। छापे ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच 'ईजमाईट्रिप' के संस्थापक और अध्यक्ष पिट्टी के परिसर पर भी मारे जा रहे हैं। यह मामला तब सामने आया जब संघीय जांच एजेंसी ने कुछ साल पहले दावा किया था कि छत्तीसगढ़ के कई राजनेता और नौकरशाह ऐप से जुड़े अवैध संचालन और उसके बाद हुए मौद्रिक लेनदेन में कथित रूप से शामिल हैं। इस मामले में पहले भी छापे मारे जा चुके हैं। ईडी ने अतीत में आरोप लगाया था कि 'महादेव ऑनलाइन बेटिंग' (एमओबी) गेमिंग और सट्टेबाजी ऐप के संबंध में उसकी जांच में छत्तीसगढ़ के विभिन्न उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों की संलिप्तता सामने आई है। इस ऐप के दो मुख्य प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल इसी राज्य से हैं।

जेपी नड्डा ने अमित शाह से मुलाकात की

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एक दिन पहले पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने बैठक की थी। इन बैठकों के एजेंडे के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने मंगलवार रात भाजपा अध्यक्ष के आवास पर बैठक की थी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री अक्सर सामयिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए साप्ताहिक बैठकें करते हैं। भाजपा में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन से पहले कई प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। नड्डा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ केंद्रीय मंत्री भी हैं। नए अध्यक्ष के चुनाव तक वह पार्टी प्रमुख के पद पर हैं।

ईडी ने ''अवैध'' दस्तावेज तैयार करने वाले बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने कोलकाता में एक बांग्लादेशी नागरिक को अपने देश के नागरिकों के लिए ''अवैध'' भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड तैयार करने में भूमिका के लिए धन शोधन निरोधक कानून के तहत गिरफ्तार किया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल में सात परिसरों में तलाशी के बाद मंगलवार को आजाद मलिक उर्फ अहमद हुसैन आजाद को हिरासत में लिया गया। ईडी ने बयान में कहा कि कोलकाता में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने मलिक को 13 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। धन शोधन का मामला मलिक के खिलाफ स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। उसके खिलाफ 1946 के विदेशी अधिनियम के तहत ''वैध दस्तावेजों के बिना'' भारत में रहने और धन के बदले अवैध प्रवासियों के लिए ''धोखाधड़ी'' के माध्यम से भारतीय पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बनाने में ''संलिप्तता'' को लेकर मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली सरकार 23 अप्रैल से 1,000 से अधिक स्थानों पर संस्कृत भाषा की निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करेगी

नयी दिल्ली : दिल्ली में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार यहां के विद्यालयों, कॉलेजों और मंदिरों सहित 1,000 से अधिक स्थानों पर संस्कृत की 10 दिवसीय निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करेगी। संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को यह घोषणा की। योजना के अनुसार, संस्कृत भाषा की कक्षाएं 23 अप्रैल से शुरू होंगी। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में शिविर आयोजित करने के लिए एनजीओ 'संस्कृत भारती' के साथ साझेदारी की है।

दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई में केवल कांग्रेस ही आरएसएस-भाजपा को हरा सकती है: राहुल

मोडासा (गुजरात) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि गुजरात में पार्टी कार्यकर्ता भले ही हतोत्साहित दिख रहे हैं, लेकिन केवल उनकी पार्टी ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को हरा सकती है। एक सप्ताह में गुजरात की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद ने राज्य में संगठन को नया रूप देने के लिए रोडमैप पेश किया और पार्टी के उन नेताओं को हटाने का वादा किया जो या तो निष्क्रिय हैं या भाजपा के लिए काम करते हैं। उन्होंने कभी अपना गढ़ रहे गुजरात को अपनी पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य बताया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा 30 वर्षों से राज्य

की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने का संकल्प व्यक्त किया। गांधी गुजरात में संगठन को नया रूप देने के कांग्रेस के प्रयासों के तहत जिला इकाइयों को मजबूत करने की प्रायोगिक योजना शुरू करने के बाद अरवल्ली जिले के मोडासा शहर में बूथ स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। गुजरात में 2027 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। एक एआईसीसी पर्यवेक्षक और चार राज्य पर्यवेक्षकों समेत पांच सदस्यों वाली एक समिति गुजरात में पार्टी की 41 जिला इकाइयों (आठ शहरों समेत) में से प्रत्येक के लिए नए प्रमुखों की नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख करेगी, जिसकी शुरुआत अरवल्ली जिले से होगी। अपने संबोधन में गांधी ने कार्यकर्ताओं से कई वादे किए जैसे कि जिला इकाइयों को अधिक शक्ति एवं धन उपलब्ध कराना, वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन का आकलन करना, जमीनी स्तर पर सक्रिय पदाधिकारियों को बढ़ावा देना और उन नेताओं को हटाना जो या तो निष्क्रिय हैं या भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।''

पेड़ों की कटाई को लेकर तेलंगाना को न्यायालय की फटकार, 100 एकड़ वनभूमि बहाल करने की योजना देने को कहा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास एक भूखंड पर पेड़ों को काटने के लिए जल्दबाजी में की गई कार्रवाई के वास्ते तेलंगाना सरकार को बुधवार को फटकार लगाई और निर्देश दिया कि यदि वह (राज्य सरकार) चाहती है कि उसके मुख्य सचिव को किसी भी गंभीर कार्रवाई से बचाया जाए तो वह कटाई से प्रभावित 100 एकड़ की वनभूमि पर फिर से पेड़ लगाने के लिए एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करे। पेड़ों को काटने की कांग्रेस सरकार की अत्यधिक जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह (अदालत) पर्यावरण की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय की पहली चिंता पर्यावरण की बहाली है। पीठ ने यह भी कहा कि कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में इस भूमि पर एक भी पेड़ अब नहीं काटा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने तेलंगाना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा, यदि आप चाहते हैं कि आपके मुख्य सचिव या सचिवों को किसी भी कठोर कार्रवाई से बचाया जाए, तो आपको एक योजना बनानी होगी कि आप उस 100 एकड़ भूमि पर पेड़ कैसे लगाएंगे। पीठ ने कहा कि अपने कदम को उचित ठहराने के बजाय, राज्य सरकार के लिए बेहतर तरीका यह होगा कि वह वृक्ष आवरण को बहाल करने की योजना लेकर आए। इसने कहा, ''अन्यथा, हम नहीं जानते कि आपके कितने अधिकारियों को उसी स्थान पर बनाई जाने वाली अस्थायी जेल में जाना पड़ेगा।'' पीठ ने कहा कि वह उन वीडियो को देखकर आश्चर्यचकित है जिसमें शाकाहारी जानवर आश्रय की तलाश में यहां वहां भटक रहे हैं। इसने कहा कि यह भी बताया गया कि इनमें से कुछ जानवरों को आवारा कुत्तों ने काट लिया।

मुंबई हवाई अड्डे पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन तस्करी में शामिल गिनी की एक महिला गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 21.78 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन की तस्करी के आरोप में अफ्रीकी देश गिनी की एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महिला केन्या की राजधानी नैरोबी से यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी थी। उन्होंने कहा, विशिष्ट सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई की एक टीम ने महिला यात्री को हवाई अड्डे पर रोका। उसकी तलाशी ली गयी और उसके सामान की तलाशी लेने पर उसमें से सफेद रंग के पाउडर के तीन पैकेट बरामद हुए। बरामद पदार्थ 'स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ' (एनडीपीएस) परीक्षण किट से की गयी जांच में कोकीन निकला। पूछताछ के बाद डीआरआई ने महिला के पास से कुल 2,178 ग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। महिला को देश में मादक पदार्थ की तस्करी की कोशिश के आरोप में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।

सोनिया, राहुल ने धोखे से 'नेशनल हेराल्ड' पर कब्जा किया, पैसे कमाए: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल ने 'नेशनल हेराल्ड' के स्वामित्व वाली गैर-लाभकारी कंपनी को धोखाधड़ी से अपने कब्जे में ले लिया और पैसे कमाए। शर्मा ने कहा कि अंतत: वे साधारण कांग्रेस कार्यकर्ता हारे हैं, जो जीर्ण-शीर्ण पार्टी कार्यालयों में मेहनत करते रहे जबकि उनके नेता ''2,000 करोड़ रुपये'' का आनंद लेते रहे। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नेशनल हेराल्ड कंपनी में 50 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी थी। कंपनी को गांधी परिवार द्वारा धोखाधड़ी से अपने कब्जे में लेने के बाद अचानक

इसकी कुल संपत्ति 2,000 करोड़ रुपये हो गई। इतना ही नहीं, यह धारा नौ के तहत आने वाली कंपनी है, जहां मुनाफा कमाने पर प्रतिबंध है। लेकिन वे मुनाफा कमा रहे थे।'' उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर उद्योगपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी पर बहुत ज्यादा संपत्ति बनाने का आरोप लगाते हैं। शर्मा ने कहा, ''मेरा सवाल यह है कि एक राजनीतिक परिवार से होने के नाते, आपने 50 लाख रुपये को 2,000 करोड़ रुपये में बदलने के लिए ये व्यापारिक तरकीबें कहां से सीखीं? अगर आप हमें यही फॉर्मूला सिखा दें, तो कम से कम मैं असम की तकदीर बदल सकता हूं।'' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें उन पर कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन का आरोप लगाया गया है।

उत्तराखंड में देश की सबसे लंबी सुरंग के निर्माण की सफलता के गवाह बने वैष्णव

जनासू (उत्तराखंड) : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बुधवार को उत्तराखंड के जनासू में भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग के निर्माण में मिली सफलता के गवाह बने। एक बोरिंग मशीन ने चट्टान की आखिरी परत को तोड़कर दूसरी तरफ निकलकर सफलता हासिल की, जिसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ वैष्णव सुरंग में लगभग 3.5 किलोमीटर तक अंदर गए। देवप्रयाग और जनासू के बीच 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंग संख्या-8 उत्तराखंड में महत्वाकांक्षी 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है। वैष्णव ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया, क्योंकि यह सफलता 16 अप्रैल को मिली, जिस दिन 1853 में भारत में रेल सेवा शुरू हुई थी। पूरी परियोजना की देखरेख कर रहे रेल मंत्रालय के अधीन आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने जर्मनी में निर्मित 'शक्ति' नामक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का उपयोग करके यह सफलता हासिल की। सुरंग-8 दोहरी सुरंग है और दूसरी समानांतर सुरंग पर दूसरे टीबीएम की मदद से काम चल रहा है। जुलाई तक इसके दूसरे पार पहुंचने की उम्मीद है। इस सुरंग निर्माण का ठेका एलएंडटी कंपनी के पास है। आरवीएनएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, यह उल्लेखनीय उपलब्धि माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में हासिल की गई, जिन्होंने हिमालयी रेल संपर्क में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने के अवसर पर स्थल का दौरा किया।

ईडी ने रॉबर्ट वाद्रा से लगातार दूसरे दिन पांच घंटे पूछताछ की, बृहस्पतिवार को फिर तलब किया

- ईडी जल्द ही रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ धनशोधन के तीन मामलों में आरोप-पत्र दाखिल कर सकती हैं: सूत्र

गांधी परिवार का हिस्सा होने के कारण मुझे निशाना बनाया गया, समय आने पर राजनीति में कदम रखूंगा: वाद्रा

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने बुधवार को दावा किया कि उन्हें गांधी परिवार का हिस्सा होने के कारण जांच एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है और यदि वह भारतीय जनता पार्टी में रहते तो मापदंड अलग होता। उन्होंने कहा कि वह समय आने पर राजनीति में कदम रखेंगे तथा वह 1999 से जनता के बीच काम कर रहे हैं।

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कारोबारी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाद्रा से 2008 के हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े कथित धनशोधन मामले में उनसे लगातार दूसरे दिन करीब पांच घंटे पूछताछ की। एजेंसी ने उन्हें बृहस्पतिवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। वाद्रा ने ईडी की कार्रवाई को ''राजनीतिक प्रतिशोध'' करार दिया और दावा किया कि देश के लोग अब ''जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं करते हैं।'' वह पूर्वाह्न करीब 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाद्रा भी थीं, जो केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद हैं। रॉबर्ट वाद्रा के ईडी कार्यालय के अंदर जाने से पहले दोनों गले मिले। प्रियंका गांधी इस दौरान एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित एजेंसी के कार्यालय 'प्रवर्तन भवन' के आगंतुक कक्ष में रहीं और दोपहर करीब एक बजकर 10 मिनट पर उनके पति को दोपहर के भोजन अवकाश के लिए घर जाने की अनुमति मिलने पर उनके साथ चली गईं।

महाराष्ट्र सरकार गटर की सफाई के लिए 100 रोबोट खरीदेगी: मंत्री शिरसाट

मुंबई : महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट काा कहना है कि राज्य सरकार 27 नगर निगमों के लिए गटर की सफाई के वास्ते 100 रोबोट खरीदेगी। यह घोषणा केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सफाई कार्यों का सामाजिक ऑडिट कराए जाने के बाद की गई है। ऑडिट में राज्य सरकार की सफाई कर्मचारियों की मौतों की समस्या से निपटने में विफलता को उजागर किया गया है। मुंबई, पुणे, परभणी, सतारा और शिरूर में केंद्र सरकार द्वारा किए गए सामाजिक ऑडिट ने महाराष्ट्र में सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा में अधिकारियों और ठेकेदारों की गंभीर विफलताओं को उजागर किया है। ऑडिट के अनुसार, 2021 और 2024 के बीच 18 सफाई कर्मचारियों की जान चली गई। ऑडिट में कहा गया कि सर्वेक्षण किये गए सभी पांच स्थानों पर सुरक्षा नियम, सुरक्षात्मक उपकरण और आपातकालीन व्यवस्था लगभग पूरी तरह से नदारद थी। राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, हम सबसे पहले छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम में नए रोबोट के साथ एक महीने का परीक्षण करेंगे। सफल परीक्षण के बाद हम 100 रोबोट खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग शहरी विकास विभाग को रोबोट उपलब्ध कराएगा, जिसके बाद शहरी विकास विभाग उन्हें नगर निगमों को वितरित करेगा।

अदालत ने एमयूडीए मामले में सीबीआई जांच को लेकर अर्जी पर सिद्धरमैया, उनकी पत्नी को नोटिस जारी किया

बेंगलुरु : कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने के अनुरोध संबंधी सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की एक अर्जी पर बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उनकी पत्नी और अन्य को नोटिस जारी किया। सिद्धरमैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंडों के आवंटन में गड़बड़ी के आरोप हैं। अर्जी में एकल न्यायाधीश द्वारा सात फरवरी को दिए गए आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कथित घोटाले में लोकायुक्त पुलिस की जांच को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के याचिकाकर्ता के अनुरोध को खारिज कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया और न्यायमूर्ति के वी अरविंद की पीठ ने 28 अप्रैल तक जवाब के लिए नोटिस जारी किया है। पीठ ने कहा, ''प्रतिवादियों को 28 अप्रैल तक जवाब के लिए नोटिस जारी किया जाता है। चूंकि यह कहा गया है कि संबंधित मामले से जुड़ी अपील उस दिन सूचीबद्ध की गई हैं।'' मूल याचिका इस वर्ष के प्रारंभ में खारिज करते हुए एकल न्यायाधीश ने कहा था कि लोकायुक्त की जांच में कोई पक्षपात या विसंगति प्रदर्शित नहीं हुई। अदालत ने कहा था, ''लोकायुक्त की स्वतंत्रता संदिग्ध नहीं है।''

बंगाल और सिक्किम में सेना का उच्च पर्वतीय अभियान 'आर्मेक्स-24' सफलतापूर्वक संपन्न

गंगटोक : भारतीय सेना ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी घने जंगलों से लेकर सिक्किम की दुर्गम, बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक के इलाके में आयोजित उच्च पर्वतीय अभियान 'आर्मेक्स-24' को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह अभियान 22 मार्च से 14 अप्रैल तक चला। रक्षा मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, सेना की विशेष रूप से चुनी गई 20 सदस्यीय टीम ने 18 दिनों तक लगातार कठिन परिस्थितियों में सफर तय किया। इस दौरान टीम ने 146 किलोमीटर की

दूरी पार की, जिसमें खड़ी चढ़ाइयां, अनिश्चित मौसम और बेहद मुश्किल रास्ते शामिल थे। अभियान का मार्ग बेहद चुनौतीपूर्ण था। टीम ने उप-ोष्णकटिबंधीय जंगलों से 14,000 फुट से ऊपर तक का सफर तय किया। कम ऑक्सीजन और अत्यधिक तनावपूर्ण वातावरण के बावजूद, सैनिकों ने अद्वितीय शारीरिक सहनशीलता, मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया। बयान में कहा गया कि इस अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सेना कठिन से कठिन इलाकों में भी अपनी तैयारियों को मजबूत बनाए रखने के लिए यथार्थपरक प्रशिक्षण को प्राथमिकता देती है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा, आर्मेक्स-24 सिर्फ एक साहसिक यात्रा नहीं, बल्कि यह भारतीय सेना की प्रतिबद्धता, अनुशासन, दृढ़ता और संचालन के लिए तत्परता का प्रतीक है।

भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक-6' पुणे में शुरू

नयी दिल्ली : भारत और उज्बेकिस्तान की सेनाओं के बीच एक संयुक्त अभ्यास बुधवार को पुणे में शुरू हुआ जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना और एक निश्चित क्षेत्र पर कब्जा करने से संबंधित आतंकवादी कार्रवाई का जवाब देना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक' का छठा संस्करण 16-28 अप्रैल तक महाराष्ट्र के पुणे में विदेशी प्रशिक्षण नोड, औंध में आयोजित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 60 सैन्यकर्मियों की भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व जाट रेजिमेंट और भारतीय वायुसेना की एक बटालियन कर रही है। उज्बेकिस्तान की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व उज्बेकिस्तान सैन्य कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। भारत और उज्बेकिस्तान बारी-बारी से संयुक्त अभ्यास डस्टलिक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पिछला संस्करण अप्रैल 2024 में उज्बेकिस्तान के टर्मेज़ जिले में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ''इस वर्ष अभ्यास का विषय अर्ध-शहरी परिदृश्य में संयुक्त रूप से अनेक मोर्चों पर अभियान है। यह एक निर्धारित क्षेत्र पर कब्जा करने वाली आतंकवादी कार्रवाई का जवाब देने पर केंद्रित रहेगा।''

अधिकार के तौर पर सुरक्षा मुहैया कराने का दावा नहीं कर सकते प्रेम विवाह करने वाले जोड़े : अदालत

प्रयागराज : एक दंपति के सुरक्षा के अनुरोध वाले आवेदन पर निर्णय करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि अपने माता पिता की इच्छा के विरुद्ध जाकर प्रेम विवाह करने वाले जोड़े तब तक अधिकार के तौर पर पुलिस सुरक्षा का दावा नहीं कर सकते, जब तक उनके जीवन और स्वतंत्रता को खतरा ना हो। अदालत ने कहा, एक उचित मामले में अदालत एक दंपति को सुरक्षा उपलब्ध करा सकती है, लेकिन कोई खतरा नहीं होने की सूरत में ऐसे दंपति को एक दूसरे का सहयोग करना और समाज का सामना करना सीखना होगा।'' न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने श्रेया

केसरवानी और उसके पति द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस दंपति ने पुलिस सुरक्षा की मांग की थी और ससुराल वालों से उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में दखल नहीं देने का निर्देश जारी करने की मांग की थी। अदालत ने याचिका में उल्लिखित बातों पर गौर करने के बाद पाया कि याचिकाकर्ताओं को किसी तरह के खतरे की आशंका नहीं है। अदालत ने कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में दिए गए निर्णय को देखते हुए याचिकाकर्ताओं को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का आदेश देने की कोई जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ताओं को उनके ससुराल पक्ष के लोगों से किसी तरह का खतरा है, इसके रत्ती भर भी साक्ष्य नहीं हैं। इसके अलावा, अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ताओं ने अपने ससुराल वालों के कथित अवैध व्यवहार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कोई शिकायत पत्र संबंधित पुलिस अधिकारियों को नहीं दिया है।

भारत की वायु गुणवत्ता डब्ल्यूएचओ मानकों से काफी पीछे, एलपीजी सब्सिडी योजना बढ़ाने की जरूरत: निदेशक

नयी दिल्ली : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक अधिकारी ने कहा है कि भारत की वायु गुणवत्ता संयुक्त राष्ट्र के इस निकाय के मानकों से काफी कम है और देश की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी अब भी बायोमास ईंधन पर निर्भर है, जिसके कारण हर साल लोगों की मौत होती हैं। 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में विश्व स्वास्थ्य संगठन में पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य विभाग की निदेशक डॉ. मारिया नीरा ने भारतीय अधिकारियों से मौजूदा कार्यक्रमों को, विशेष रूप से उन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया जो खाना पकाने के लिए बायोमास ईंधन के उपयोग से घरों के भीतर होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से हैं। नीरा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमें एलपीजी और सब्सिडी तक पहुंच उपलब्ध कराने जैसे कार्यक्रमों पर विचार करने की जरूरत है, लेकिन निश्चित रूप से प्रयास न केवल जारी रखने होंगे, बल्कि इन प्रयासों को संभवतः बढ़ाना भी होगा।'' बायोमास ईंधन एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है जिनमें पेड़ों की लकड़ी और पशु अपशिष्ट से बने उपले जैसे जैविक पदार्थ होते हैं। उन्होंने कहा, ''एक थिंक टैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 41 प्रतिशत भारतीय परिवार अब भी बायोमास ईंधन पर निर्भर हैं, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु दर और स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। हम भारत सरकार से आग्रह करना चाहेंगे कि वह घरों के भीतर के प्रदूषण से निपटने के लिए और अधिक उपाय करे क्योंकि इनके क्रियान्वयन के बाद अच्छे परिणाम सामने आए हैं।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन की अधिकारी ने कहा कि आदर्श स्थिति यह होगी कि स्वच्छ ऊर्जा और नवीकरणीय गैर-प्रदूषक स्रोतों की ओर तुरंत कदम बढ़ाए जाएं, लेकिन नीति में निष्पक्षता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि एक निष्पक्ष बदलाव होना चाहिए, खासकर उन सबसे कमजोर लोगों के लिए जो वर्तमान में प्रदूषणकारी स्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। ऊर्जा के बेहतर स्रोतों के माध्यम से इस बदलाव में एलपीजी, बायोगैस, इथेनॉल तक पहुंच शामिल होगी, जो लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए बदलाव सुनिश्चित कर सकती हैं।'' नीरा ने कहा कि वायु प्रदूषण गैर-संचारी रोगों या एनसीडी का प्रमुख कारण है, जो सितम्बर में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव का विषय होगा।

भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए कनाडा, नाइजीरिया से मिलेगी चुनौती

लंदन : राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूएस) ने बुधवार को घोषणा की कि 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत को कनाडा, नाइजीरिया और दो अन्य देशों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रमंडल खेल 2030 में सौ साल पूरे करेगा। सीडब्ल्यूएस की ओर से यह पुष्टि 'पीटीआई' द्वारा खेल मंत्रालय के एक शीर्ष सूत्र के हवाले से दी गई रिपोर्ट के एक महीने से भी कम समय बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि 2036 में ओलंपिक मेजबानी का लक्ष्य रखने वाला भारत 2030 में गुजरात में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए अपनी बोली प्रस्तुत की है। सीडब्ल्यूएस ने कहा कि उसे खेलों के 2030 सत्र की मेजबानी के लिए कनाडा और नाइजीरिया के अलावा दो और देशों से 'रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)' प्राप्त हुई है। कुल मिलाकर सात देशों ने भविष्य के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है, जिनमें से पांच ने शताब्दी सत्र के आयोजन की रुचि जताई है। सीडब्ल्यूएस ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड उन दो देशों में से एक है जो 2034 सत्र की मेजबानी करना चाहते हैं। राष्ट्रमंडल खेलों ने यहां जारी एक बयान में कहा, 'अफ्रीका, अमेरिका, एशिया और ओशिनिया वे क्षेत्र हैं जहां से ईओआई प्रस्तुत किए गए हैं। कनाडा, भारत और नाइजीरिया ने पहले ही सार्वजनिक रूप से पुष्टि कर दी है कि उन्होंने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ईओआई पेश की है। साथ ही दो अन्य देशों ने भी 2030 में मेजबानी के लिए अपनी रुचि जतायी है।' उन्होंने कहा, 'दो ईओआई 2030 के बाद के खेलों पर केंद्रित है, जिसमें न्यूजीलैंड भी शामिल है। उसने 2034 की मेजबानी में अपनी रुचि का संकेत दिया है।' राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैटी सडलेयर ने कहा कि सीडब्ल्यूएस इन खेलों की मेजबानी को लेकर 'अविश्वसनीय रुचि से रोमांचित' है।

दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में जीता मुकाबला

स्टब्स ने छक्का लगाकर दिलाई जीत

नयी दिल्ली : दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के मैच में सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स को हराया। राजस्थान ने सुपर ओवर में 11 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली ने चार गेंदों पर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर ओवर में दिल्ली के लिए केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स आए थे और स्टब्स ने छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलाई। 2022 के बाद यह पहली बार है जब आईपीएल में किसी मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला है। इस जीत के साथ ही दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर आ गई। उसके छह मैचों में पांच जीत और एक हार के साथ 10 अंक हो गए हैं।

सुपर ओवर में बेहतर है दिल्ली का रिकॉर्ड

आईपीएल में अब तक 15 मैच टाई रहे हैं। सुपर ओवर में दिल्ली का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने पांच में चार मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने सुपर ओवर में राजस्थान को हराने से पहले 2021 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2020 में पंजाब किंग्स, 2019 में कोलकाता नाइट राइडर्स और 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया था। हालांकि, 2013 में उसे सुपर ओवर में आरसीबी के हाथों हार मिली थी। दिल्ली की टीम आईपीएल में सबसे ज्यादा सुपर ओवर मैच जीतने वाली टीम बन गई है। उसने इस मामले में पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ा जिसने चार मैचों में तीन बार सफलता हासिल की है।

निर्धारित ओवर के बाद बराबरी पर छूटा मुकाबला

दिल्ली और राजस्थान के बीच 20 ओवर की समाप्ति के बाद स्कोर बराबरी पर छूटा जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर से कराने का फैसला हुआ। दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए थे। राजस्थान की टीम यशस्वी जायसवाल और नीतीश राणा के अर्धशतकों के अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन टीम निर्धारित ओवर में चार विकेट पर 188 रन ही बना सकी। इस तरह मुकाबला बराबरी पर छूटा। सुपर ओवर में हालांकि, राजस्थान की टीम पूरे छह गेंद भी नहीं खेल सकी और उसने पांच गेंदों पर दो विकेट गंवा दिए। इस तरह दिल्ली को सुपर ओवर में लक्ष्य हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

मुख्य कोच और चयनकर्ता से बहस हुई थी: रोहित ने खुद को टीम से बाहर करने पर कहा

नयी दिल्ली : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का उनका फैसला सर्वसम्मति से नहीं लिया गया था और इसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ उनकी 'बहस' हुई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड, ब्रिसबेन और मेलबर्न में खेलने वाले कप्तान लगातार पांच पारियों में विफल रहे थे। मेलबर्न में खेले गए श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच में टीम ने शुभमन गिल को बाहर बैठाने का फैसला किया था। रोहित ने 'बियॉन्ड23 क्रिकेट पॉडकास्ट' के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क से कहा, 'हम किसी तरह गिल को अंतिम एकादश में रखना चाहते थे, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह पिछले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाया था। मैं ऐसा ही हूं... ठीक है, अगर मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार पा रहा हूं, तो यह अभी है। चीजें पांच दिन बाद, दस दिन बाद बदल सकती हैं।' उन्होंने कहा, ' मैंने कोच और चयनकर्ता से बात की और वे इस पर सहमत भी हुए, असहमत भी हुए। इस मुद्दे पर हमारी बहस भी हुई थी।' टीम को प्राथमिकता देने वाले अपने नेतृत्व दृष्टिकोण के लिए मशहूर भारतीय कप्तान का तर्क सरल था। रोहित ने कहा, 'आप टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश करते हैं, आप बस देखते हैं कि टीम की क्या जरूरत है और उसके अनुसार निर्णय लेते हैं। कभी-कभी यह काम करेगा, कभी-कभी नहीं। ऐसा ही होता है। आप जो भी निर्णय लेने की कोशिश करते हैं, उसमें आपको सफलता की गारंटी नहीं होती।' इस महान बल्लेबाज ने खुद को बाहर करने के निर्णय पर पहुंचने के लिए तार्किक तर्क भी दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने (एडिलेड में) अच्छा नहीं खेला था। मैंने सोचा कि मुझे पारी का आगाज करना चाहिये था। मैं जो करता हूं और वहां असफल होना पसंद करूंगा। यही मेरी जगह है, यही मेरी स्थिति है। मैं वहां जाकर बल्लेबाजी करना पसंद करूंगा, चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं, यह एक अलग बात है। लेकिन मैं टीम के लिए अपनी स्वाभाविक जगह पर खेलूंगा।' रोहित ने सोचा कि उन्हें ब्रिस्बेन में एक और मैच में मध्यक्रम में बल्लेबाजी जारी रखनी चाहिए।

सुरुचि सिंह ने लगातार दूसरे विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता, मनु को रजत पदक

लीमा (पेरू) : युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने यहां 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। ब्यूनस आयर्स में हाल में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली हरियाणा के झज्जर की निवासी 18 वर्षीय सुरुचि ने 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाकर मनु को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता। सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने इस दिन प्रत्येक रंग का एक पदक जीता, जिसमें पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के निशानेबाज सौरभ चौधरी का कांस्य पदक भी शामिल है। पेरू की राजधानी में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में शानदार प्रदर्शन के कारण भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। उसके बाद चीन का नंबर आता है जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि मनु ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही। पेरिस ओलंपिक में महिला एयर पिस्टल और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने कहा कि वह भारतीय निशानेबाजों की प्रगति से खुश हैं और उन्होंने सुरुचि को उनके दूसरे विश्व कप स्वर्ण पदक के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा, '' मैं यह देखकर खुश हूं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक भारतीय निशानेबाज आगे आ रहे हैं और बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे मुझे लगता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा, ''हम सभी सुरुचि के नाम से परिचित हैं। उसने ब्यूनस आयर्स (विश्व कप) के साथ-साथ यहां भी असाधारण प्रदर्शन किया। इसलिए मैं उसके लिए वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि यह लंबे समय इस तरह के प्रदर्शन को जारी रखेगी। मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ियों के साथ मैं भी गति बनाए रखूंगी।' सुरुचि ने ब्यूनस आयर्स में सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था।

न्यूज अपडेट

बीसीसीआई महिला टीम के लिये नये फिजियो और ट्रेनर की तलाश में

नयी दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम को जल्दी ही एक नया फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने वाले हैं जो अगले दो साल तक बेंगलुरू के उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सीलैंस) में नियुक्त होंगे। बीसीसीआई ने दोनों पदों के लिये आवेदन मंगवाये हैं। नितिन पटेल के जाने के बाद खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग को भी नया प्रमुख मिलने वाला है। फिजियो और ट्रेनर उत्कृष्टता केंद्र में काम करेंगे और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में टीम के साथ दौरा करेंगे। फिजियो का पद आकांक्षा सत्यवंशी के जाने के बाद और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच का पद आनंद दाते के जाने से खाली हुआ है। दोनों पदों के लिये पात्रता उन्नत जीवन सहायता (फिजियो के लिये) में , मूलभूत जीवन सहायता (ट्रेनर के लिये) में सर्टिफिकेशन कोर्स और ट्रॉमा मैनेजमेंट में डिग्री शामिल है। सर्टिफिकेशन कोर्स पिछले दो साल में ही पूरा हुआ होना चाहिये।

भारत को अपनी खेल महत्वाकांक्षा को मजबूत डोपिंग रोधी प्रणाली से जोड़ना चाहिए: खेल सचिव

नयी दिल्ली : खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली पेश कर रहा है और ऐसे में देश को अपने खेल महत्वाकांक्षा को एक मजबूत डोपिंग रोधी प्रणाली के साथ जोड़ना चाहिए ताकि निष्पक्षता, अखंडता और स्वच्छ खेल के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित हो सके। खेल मंत्रालय की इस शीर्ष अधिकारी ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा यहां इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में 'एक साथ मिलकर स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त किये। 'प्ले टू वीक 2025' के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में स्वच्छ, निष्पक्ष और मूल्य-आधारित खेलों के माहौल को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में हितधारकों को एक साथ लाया गया। विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के एशिया/ओशिनिया कार्यालय की निदेशक मयूमी याया यामामोटो ने इस वर्ष के वैश्विक 'प्ले टू' अभियान में नाडा के प्रयासों की सराहना की।

भारत के नितिन गुप्ता ने एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

नयी दिल्ली : भारत के नितिन गुप्ता ने बुधवार को सऊदी अरब के दम्मम में छठी एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 5000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता। गुप्ता ने 20 मिनट 21.51 सेकेंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन के झू निंगहाओ ने 20:21.50 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीनी ताइपे के शेंग किन लो ने 21:37.88 सेकेंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

बल्ले के आकार की जांच से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा: विटोरी

मुंबई : सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने बुधवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अंपायरों द्वारा बल्ले के आकार की जांच करने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। विटोरी ने कहा कि काश उनके खेलने के दिनों में भी ऐसे मापदंड लागू होते। अंपायर बल्ले की जांच एक गेज (बल्ले के आकार को मापने वाला तिकोना पैमाना) से करते रहे हैं, जिससे बल्ले को गुजरना पड़ता है। इसका मकसद बड़े आकार के बल्ले के इस्तेमाल को खत्म करना है। इस सत्र में मैदानी अंपायरों के पास मैच के दौरान बल्ले की जांच करने की छूट है। इसका ताजा उदाहरण कोलकाता नाइट राइडर्स के एनरिक नॉर्किया है। मंगलवार को उनका बल्ला परीक्षण में विफल रहा जिसके बाद उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में इसे बदलना पड़ा। विटोरी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के मैच की पूर्व संध्या पर यहां वानखेड़े स्टेडियम में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'काश जब मैं खेल रहा था तब भी उन्होंने बल्ले की जांच की होती।' उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ेगा। इन खिलाड़ियों को इस तरह की जांच से नियमित तौर पर गुजरना पड़ता है। अंपायर अक्सर ड्रेसिंग रूम में जाते हैं, इसलिए खिलाड़ियों को पता होता है कि उनके बल्ले नियमों के अनुसार हैं। इसमें बस एक सेकंड का समय लगता है।'

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 77,000 अंक के पार

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 309.40 अंक चढ़कर फिर से 77,000 अंक के स्तर को पार कर गया। एनएसई निफ्टी में भी 108.65 अंक की बढ़त रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह के बीच प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। खुदरा महंगाई के करीब छह साल के निचले स्तर पर आने से नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद से बाजार धारणा मजबूत हुई। वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को खारिज करते हुए बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक यानी 0.40 प्रतिशत चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 अंक पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद, सत्र के दौरान सूचकांक में उतार-चढ़ाव होता रहा। इस दौरान इसने 77,110.23 के उच्च और 76,543.77 अंक के निचले स्तर को छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 108.65 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,437.20 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि सकारात्मक वृहद आंकड़ों और सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से निवेशकों की धारणा को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंडसइंड बैंक 7.12 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और आईटीसी भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक मंगलवार को शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने 6,065.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। इससे पहले, एफआईआई कई दिनों से बिकवाली कर रहे थे। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर, कमजोर रुख के बीच भारतीय बाजार ने सकारात्मक रुख दिखाया है।

विजय शेखर शर्मा ने 1,800 रुपये के 2.1 करोड़ पेटीएम के शेयर लौटाए

नयी दिल्ली : वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी (कर्मचारी शेयर स्वामित्व योजना) के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा, कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 (2.1 करोड़) ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं। पेटीएम शेयर के बंद भाव 864.5 रुपये के आधार पर, ईएसओपी का मूल्य 1,815.45 करोड़ रुपये है।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद, तेज वृद्धि हासिल करने वाला देश बना रहेगा: संरा

संयुक्त राष्ट्र : वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बावजूद लगातार मजबूत सार्वजनिक व्यय और जारी उदार मौद्रिक नीतिगत रुख के साथ भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसके साथ यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखेगा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। दूसरी तरफ, मौजूदा व्यापार तनाव बढ़ने और अनिश्चितता के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2025 में वैश्विक वृद्धि दर धीमी होकर 2.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के रास्ते पर जाने की आशंका है। 'व्यापार और विकास दूरदर्शिता 2025 - दबाव, अनिश्चितता वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को नया आकार देती' शीर्षक से बुधवार को जारी रिपोर्ट में उन जोखिमों का जिक्र किया गया है जो वैश्विक परिदृश्य को पटरी से उतार रहे हैं। इसमें व्यापार नीति के स्तर पर झटके, वित्तीय अस्थिरता और अनिश्चितता का बढ़ना शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2025 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो 2024 की 6.9 प्रतिशत वृद्धि से थोड़ा कम है। लेकिन फिर भी यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। अंकटाड का अनुमान है कि भारत 2025 में लगातार मजबूत सार्वजनिक खर्च और जारी उदार मौद्रिक नीति रुख के दम पर 6.5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी में पांच साल में पहली बार नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है इससे घरेलू खपत के साथ-साथ निजी निवेश योजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया क्षेत्र की वृद्धि दर 2025 में 5.6 प्रतिशत रहेगी। इसका कारण महंगाई में कमी से क्षेत्र के ज्यादातर हिस्सों में नरम मौद्रिक नीति रुख अपनाया जा रहा है। अंकटाड ने कहा, ''हालांकि, खाद्य मूल्य में उतार-चढ़ाव को लेकर जोखिम बना रहेगा और कर्ज की जटिल स्थिति बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी अर्थव्यवस्थाओं पर बोझ बढ़ा सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के रास्ते पर है। इसका कारण व्यापार के स्तर पर बढ़ता तनाव और अनिश्चितता है। बढ़ते व्यापार तनाव वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं। हाल में किये गये शुल्क उपाय आपूर्ति व्यवस्था को बाधित कर रहे हैं और पूर्वानुमान को कमजोर कर रहे हैं। अंकटाड के अनुसार, 'व्यापार नीति के मोर्चे पर अनिश्चितता ऐतिहासिक रूप से उच्चस्तर पर है और इसका असर निवेश निर्णयों में देरी और कम नियुक्तियों के रूप में देखने को मिल रहा है।' नरमी का असर सभी देशों पर पड़ेगा, लेकिन अंकटाड विकासशील देशों और खास तौर पर सबसे नाजुक अर्थव्यवस्थाओं के बारे में चिंतित है।

सरकार की पांच वर्षों में 50 हवाई अड्डा विकास परियोजनाएं शुरू करने की योजना

नयी दिल्ली : सरकार की अगले पांच वर्ष में 50 हवाई अड्डा विकास परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। देश में वर्तमान में 159 हवाई अड्डे हैं और इनकी संख्या 2014 के 74 की तुलना में दोगुनी हो गई है। नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने बुधवार को कहा कि विमानन परिवेश को विकसित करने के लिए समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें विमानन कंपनियों को समर्थन देना और उड़ान प्रशिक्षण संगठनों का विस्तार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों में 50 हवाई अड्डा विकास परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। सचिव ने हवाई अड्डों के विकास के लिए सरकार के सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) पर ध्यान देने की बात पर जोर दिया और कहा कि हवाई अड्डा परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए एक ''सुव्यवस्थित तंत्र'' भी मौजूद है। राष्ट्रीय राजधानी में एसीआई एशिया प्रशांत व पश्चिम एशिया क्षेत्रीय सभा में उन्होंने यह बात कही। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) हवाई अड्डों का प्रतिनिधित्व करता है।

गूगल ने भारत में 29 लाख विज्ञापन खाते निलंबित किए, 24.74 करोड़ विज्ञापन हटाए

नयी दिल्ली : इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल ने उसकी विज्ञापन नीति का दुरुपयोग करने के मामले में 2024 में भारत में 29 लाख विज्ञापनदाताओं के खाते निलंबित कर दिए और 24.74 करोड़ विज्ञापन हटा दिए। कंपनी ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कंपनी ने अपनी वार्षिक विज्ञापन सुरक्षा रिपोर्ट में कहा, वैश्विक स्तर पर गूगल ने 3.92 करोड़ से अधिक विज्ञापनदाताओं के खातों को निलंबित किया। 5.1 अरब विज्ञापन हटा दिए और 9.1 अरब से अधिक विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगा दिया। रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत में 24.74 करोड़ विज्ञापन हटाए गए और 29 लाख विज्ञापनदाताओं के खाते निलंबित कर दिए गए।'

न्यूज अपडेट

सोना 1,650 रुपये बढ़कर 98,100 रुपये के नए शिखर पर; चांदी में 1,900 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली : अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश के लिए सोने की मांग बढ़ने के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,650 रुपये चढ़कर 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार को 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। सोने की कीमतों में 11 अप्रैल के बाद यह सबसे अधिक एक दिन की तेजी है। तब स्थानीय बाजारों में सोने की हाजिर कीमतों में 6,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई थी - जो अबतक की एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है। इस साल अबतक सोने की कीमतों में 18,710 रुपये या 23.56 प्रतिशत की तेजी आई है।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 85.64 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में लगातार तीसरे सत्र में तेजी रही और बुधवार को यह 16 पैसे की मजबूती के साथ 85.64 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा निवेश और डॉलर के कमजोर रहने के बीच बुधवार को रुपये में तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका द्वारा शुल्क के कार्यान्वयन को 90 दिन के लिए टालने के बीच सकारात्मक घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों की वजह से शेयर बाजार में लिवाली तेज रही, जिससे रुपया मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी रुपये को समर्थन दिया।

यस बैंक को आयकर विभाग से 244 करोड़ रुपये का कर नोटिस

नयी दिल्ली : यस बैंक ने कर निर्धारण वर्ष 2016-17 के लिए 244.20 करोड़ रुपये का मांग नोटिस मिलने की बुधवार को जानकारी दी। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, पुनर्मूल्यांकन आदेश में पुनर्मूल्यांकन आय तथा उस पर कर की गणना के लिए निर्धारित आय के बजाय आयकर रिटर्न में बताई गई आय पर विचार किया गया। इसमें कहा गया, इस संबंध में 15 अप्रैल, 2025 को क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी (जेएओ) ने नया आदेश पारित किया। यस बैंक ने कहा, ''उक्त सुधार आदेश के परिणामस्वरूप 244.20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग उत्पन्न हुई है... बिना किसी ठोस वजह के इसकी काफी अधिक पुनर्गणना की गई है।'' इसमें कहा गया, इस आदेश के विरुद्ध बैंक तत्काल आधार पर जेएओ के समक्ष सुधार आवेदन दायर करेगा क्योंकि मांग निराधार प्रतीत होती है। इसके अलावा बैंक अपील दायर करने सहित अन्य सभी उपलब्ध उपायों पर विचार करेगा।

आरबीआई ने कारोबार की स्थिति का पता लगाने के लिए शुरू किया सर्वेक्षण

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों के बीच 2025-26 की पहली तिमाही के लिए कारोबारी स्थिति और आगामी तिमाही के लिए उनकी अपेक्षाओं का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण शुरू करने की घोषणा की। 45वें दौर के इस सर्वेक्षण में मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों के बारे में जानकारी ली जाएगी। तिमाही सेवा और बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वेक्षण के 44वें दौर में, 879 कंपनियों ने 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए अपना आकलन और 2025-26 की पहली तिमाही के लिए अपेक्षाओं के साथ-साथ बाद की दो तिमाहियों के लिए प्रमुख मापदंडों पर दृष्टिकोण प्रदान किया। केंद्रीय बैंक ने 2025-26 की पहली तिमाही के लिए औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण (आईओएस) का 110वां दौर भी शुरू किया।

वर्ष 10, पूर्णांक 4209 अंक 019, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in